संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 324 रविवार 28 सितम्बर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

प्रधानमंत्री मोदी ने लॉन्च किया बीएसएनएल 4 जी सर्विस,30 हजार गांवों तक पहुंचेगा नेटवर्क

कांग्रेस अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रही हमने टैक्स घटाया,वो अब लूट में लगे:मोदी

भुवनेश्वर,27 सितम्बर 2025 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा में विभिन्न विकास परियोजनाओं के साथ भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की 4जी सेवाओं का शुभारंभ किया। यह नेटवर्क पूरे देश में 98 हजार साइटों पर फैला हुआ है, जिससे बीएसएनएल अब 4जी से सुसज्जित हो गया है। इससे पहले एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और जियो जैसे निजी ऑपरेटर पहले से ही 4जी सेवाएं दे रहे थे। अब भारत के सभी प्रमुख टेलीकॉम प्रदाता 4जी तकनीक से लैस हैं। सरकार ने बताया कि बीएसएनएल का यह 4जी नेटवर्क पूरी तरह स्वदेशी तकनीक पर आधारित है। इससे भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जो खुद 4जी के सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर विकसित कर सकते हैं। इस सूची में स्वीडन, डेनमार्क, चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देश पहले से हैं, और अब भारत टॉप 5 में शुमार हो गया है। इस परियोजना पर कुल 37 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जो आत्मनिर्भर भारत अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। 4 जी लॉन्च के साथ ही बीएसएनएल ने 5 जी की तैयारियां तेज कर दी हैं। अधिकारियों के अनुसार,जल्द ही दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में 5जी सेवाएं शुरू होंगी। इससे बीएसएनएल के 9 करोड़ से ज्यादा वायरलेस ग्राहकों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। प्रधानमंत्री ने पहले ही 6जी नेटवर्क का रोडमैप जारी किया है,और उम्मीद है कि 2030 तक भारत में 6 जी आ जाएगा। हालांकि,बीएसएनएल निजी कंपनियों से पीछे रहा है,जिन्होंने 2022 में 5जी लॉन्च कर दिया था। इस नेटवर्क के विकास में भारतीय कंपनियों का बड़ा योगदान है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने रोलआउट और इंटीग्रेशन में अहम भूमिका निभाई, जबकि तेजस नेटवर्क्स ने रेडियो एक्सेस नेटवर्क तैयार किया। बीएसएनएल का 4जी डिजाइन ऐसा है कि इसे आसानी से 5जी में अपग्रेड किया जा सकता है। कंपनी इस साल के अंत तक दिल्ली-मुंबई में 5जी शुरू करने की योजना बना रही है। सस्ते रिचार्ज प्लान्स के चलते पुराने ग्राहक वापस लौट सकते हैं,जो पहले कनेक्टिविटी समस्याओं से परेशान थे। यह लॉन्च भारत की डिजिटल क्रांति को नई गति देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता को करीब 38 मिनट तक संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने आत्मनिर्भर भारत,जीएसटी बचत उत्सव,कांग्रेस शासन में भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर बात की। मोदी ने कांग्रेस शासित राज्यों में जारी लूटतंत्र का भी जिक्र किया। पीएम ने कहा, केंद्र सरकार ने टैक्स घटा दिया, लेकिन हिमाचल में कांग्रेस सरकार जनता तक इसका लाभ नहीं पहुंचा रही है। वे अपना टैक्स लगाकर लूट में लगे हैं। अभी भी हरकत से बाज नहीं आ रहे। प्रधानमंत्री का 15 महीनों में छठा ओडिशा दौरा था। उन्होंने 60 हजार करोड़ रुपए के कई बड़े रेल, एजुकेशन और हेल्थ प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की।

कांग्रेस अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रही है...

कांग्रेस अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रही है। उनकी सरकारें आपको लूटने में जुटी है। मेरे पास सबूत है। हमने देश के लोगों को लाभ देने के लिए टैक्स कम किया, सीमेंट से भी टैक्स घटा। हमारा मकसद था लोगों को घर बनाने में कम पैसा खर्च करना पड़े। 22 सितंबर के बाद बयानबाजी करने वालों की करतूत देखिए। हिमाचल में कांग्रेस की सरकार है, वहां वे आम जनता को सुख देना नहीं चाहते। उन्होंने अपना एक नया ही टैक्स लगा दिया। भारत सरकार की तरफ से जो फायदा दिया जा रहा था वे दीवार बनकर लूट में लगे हैं।

देश को कांग्रेस के लूट तंत्र से बाहर निकाला

हमने देश को कांग्रेस के लूट तंत्र से बाहर निकाला। भाजपा सरकार में डबल बचत और डबल कमाई का दौर आया है। कांग्रेस सरकार में 2 लाख की कमाई तक इनकम टैक्स देना पड़ता था। ये 2014 तक चलाया। जब आपने मुझे सेवा का मौका दिया तब हमने 12 लाख की सालाना कमाई टैक्स फ्री की। 22 सितंबर से देश में ओडिशा में जीएसटी के नए रिफॉर्म लागू हुए। इन सुधारों में आप सभी को जीएसटी बचत उत्सव का उपहार दिया है। माताओं के लिए रसोई चलाना और सस्ता हो गया है। जरूरत के दाम और कम हो गए।

ओडिशा डबल इंजन की रफ्तार से बढ़ रहा...

साथियों इस समय नवरात्रि का पर्व चल रहा है। ऐसे दिनों में मुझे मां रामोचंडी की इस भूमि पर आपके दर्शन का सौभाग्य मिला है। यहां माताएं बहने भी आई हैं। आपका आशीर्वाद ही हमारी शक्ति है। जनता को नमन करता हूं। डेढ़ साल पहले विधानसभा चुनाव में ओडिशा के आप लोगों ने एक नए संकल्प के साथ आगे बढ़ने का प्रण लिया था। ये संकल्प था विकसित ओडिशा, आज हम देख रहे हैं ओडिशा डबल इंजन की रफ्तार से बढ़ रहा है। आज फिर एक बार ओडिशा के विकास के लिए देश के विकास के लिए हजारों करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट का काम शुरू हुआ।

भाजपा गरीबों को सशक्त करने वाली सरकार

भाजपा सरकार गरीब की सेवा करने वाली गरीब को सशक्त करने वाली सरकार है। हमारा पूरा जोर गरीबों को दलितों को पिछड़ों को आदिवासियों को मूल सुविधाएं पहुंचाने पर है। आज इस कार्यक्रम में हम इसके साक्षी बन रहे हैं। मुझे अभी यहां अंत्योदय योजना लाभार्थियों को सर्टिफिकेट देने का मौका मिला। एक गरीब परिवार को पक्का घर मिलता है तो वर्तमान के साथ भावी पीढ़ियों का जीवन भी आसान हो जाता है। 4 करोड़ परिवारों को पक्का घर दे चुकी है।

बरेली में इंटरनेट बंद तौकीर रजा गिरफ्तार

मौलाना भूल गया किसका शासन है,ऐसा सबक सिखाएंगे,पीढ़ियां दंगे करना भूल जाएंगी : योगी

उत्तर प्रदेश,27 सितम्बर 2025 (ए)। यूपी के बरेली में जुमे पर आई लव मोहम्मद को लेकर बवाल के बाद पुलिस एक्शन मोड में आ गई है। शनिवार शाम को इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं। साथ ही हिंसा को लेकर जांच टीम भी बनाई गई है। जांच टीम को 10 दिन के भीतर रिपोर्ट देनी होगी। वहीं, इत्तेहादे मिल्लत काउंसिल के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा समेत 8 लोगों को बरेली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। 39 लोगों को हिरासत में लिया है। मौलाना को 14 दिन के लिए जेल भेज दिया गया है। पहले उसे बरेली जेल में रखा गया था,बाद में शाम को फतेहगढ़ जेल भेज दिया गया। इसके अलावा,2000 अज्ञात लोगों पर 5 थानों में मुकदमे दर्ज किए गए हैं। 10 मुकदमों में से 7 में तौकीर रजा का नाम है। इधर, सीएम योगी ने एक कार्यक्रम में कहा...मौलाना भूल गया कि शासन किसका है वो मानता था कि धमकी देंगे और जबरदस्ती जाम कर देंगे। हमने कहा कि जाम नहीं होगा। कर्फ्यू भी नहीं लगने देंगे। ऐसा सबक सिखाएंगे कि तुम्हारी आने वाली पीढ़ियां दंगे करना भूल जाएंगी। दरअसल, शुक्रवार को मौलाना तौकीर रजा की अपील पर ही भीड़ सड़क पर उतर आई थी। पुलिस ने रोका तो पथराव कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा था। इधर, लखनऊ की सड़कों पर नए होर्डिंग लगवा दिए गए हैं। इन पर लिखा है- आई लव श्री योगी आदित्यनाथ जी और आई लव बुलडोजर। वहीं, बाराबंकी में शुक्रवार देर रात आई लव मोहम्मद के पोस्टर फाड़ने पर हंगामा हो गया। इस दौरान काफी संख्या में पुलिस पहुंच गई और हालात काबू में किए।

बब्बर खालसा के आतंकी परमिंदर सिंह को पंजाब पुलिस ने यूएई से किया प्रत्यर्पण

चंडीगढ़,27 सितम्बर 2025 (ए)। पंजाब पुलिस ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और अन्य केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) मॉड्यूल के वांछित आतंकी परमिंदर सिंह उर्फ पिंदी का प्रत्यर्पण हासिल कर उसे अबू धाबी (संयुक्त अरब अमीरात) से सफलतापूर्वक भारत ले आई है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने शनिवार को बताया कि बटाला के गांव हर्षा का रहने वाला परमिंदर सिंह उर्फ पिंदी केवल अपराधी ही नहीं बल्कि एक खतरनाक आतंकी-अपराध सिंडिकेट का मुख्य संचालक भी है। उसे बटाला पुलिस की टीम यूएई से भारत लेकर आई है।डीजीपी ने बताया कि पिंदी, अंतरराष्ट्रीय स्तर के आतंकी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा और हैपी पासियां का करीबी सहयोगी है और बटाला-गुरदासपुर क्षेत्र में पेट्रोल बम हमले,हिंसक घटनाओं तथा जबरन वसूली जैसे कई घिनौने अपराधों में शामिल रहा है। आरोपित पिंदी अपराधों को अंजाम देने और पैसों के लेन-देन के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का इस्तेमाल करता था।

बीएसएनएल एक शक्तिशाली प्रणाली बन गई है:चंद्रबाबू नायडू

विजयवाड़ा,27 सितम्बर 2025 (ए)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को विजयवाड़ा में भारत संचार निगम (बीएसएनएल) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में 4जी सेवाओं का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने दूरसंचार के क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यों की सराहना की। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी नेटवर्क के उद्घाटन अवसर पर सिर्फ़ रोज़गार के बजाय उत्पाद निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की पहल की सराहना की, पेटेंट पर ज़ोर दिया और 2047 तक भारत के वैश्विक नेतृत्व में उभरने की भविष्यवाणी की।

घुसपैठियों को बाहर करने वाला चुनाव है,लालू एंड कंपनी ने बिहार को लूटा,दो तिहाई बहुमत से बनेगी एनडीए की सरकार:शाह

समस्तीपुर,27 सितम्बर 2025 (ए)। अमित शाह ने शनिवार को अररिया में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को मालिक कहा। अमित शाह ने कहा कि,सभी दल नेताओं के आधार पर चुनाव जीतते हैं सिर्फ हमारी पार्टी ऐसी है कि जिसको चुनाव जिताने का दम नेताओं में नहीं कार्यकर्ताओं में होता है।

शाह ने घोटालों को लेकर लालू परिवार पर निशाना साधा। राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा को घुसपैठियों के लिए यात्रा बताया। गृहमंत्री ने कार्यकर्ताओं से किशनगंज जिताने की अपील की। कहा कि इस बार 160 से ज्यादा सीटें जीतकर हम दिवाली मनाएंगे।

इस बार 4 दिवाली मनाएंगे : शाह

बिहार वालों को इस बार 4 दिवाली मनानी है। पहली दिवाली राम जब अयोध्या लौटेंगे उस दिन होगी। दूसरी दिवाली कल ही मोदी जी ने जीविका दीदियों के खातों में 10-10 हजार देकर मना दी। तीसरी दिवाली जीएसटी में 350 चीजों के दाम घटाकर मना दी। चौथी दिवाली 160 से ज्यादा सीटों के साथ एनडीए सरकार बनाकर मनाएंगे।

वोटर अधिकार यात्रा पर निशाना : शाह

राहुल बाबा कान खोलकर सुन लो, बिहार क्या, कहीं भी यात्रा निकाल लो, भाजपा का संकल्प है कि हम एक-एक घुसपैठिए को बाहर करेंगे। राहुल बाबा और लालू की पार्टियां घुसपैठियों को बचाना चाहती हैं, और हम घुसपैठियों को बाहर निकालना चाहते हैं।

घोटालों को लेकर लालू परिवार पर बरसे : शाह

लालू एंड कंपनी ने बिहार को लूटा, ढेर सारे घोटाले किए, और कांग्रेस ने भी देश को लूटा। पिछले 11 सालों से देश में नरेंद्र मोदी की सरकार है, और हमारे विरोधी हम पर एक पैसे का भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा पाए हैं।

जंगलराज की याद दिलाई : शाह

शाह ने कहा कि हमें राजद वाला जंगलराज वापस नहीं लाने देना है। नीतीश सरकार में कानून व्यवस्था सुधरी है। पहले के बिहार और आज के बिहार में जमीन आसमान का अंतर है।

सरकार की उपलब्धि गिनाई:अमित शाह

पीएम मोदी ने पूर्णिया की धरती से ही मखाना बोर्ड की घोषणा की। भागलपुर में विद्युत संयंत्र का शिलान्यास किया। पूर्णिया में एयरपोर्ट दिया। बिहटा के अलावा 6 एयरपोर्ट और बनाएंगे। कोसी लिंक परियोजना की घोषणा की है, जिससे कोशी क्षेत्र के लोगों को बाढ़ की समस्या से राहत मिलेगी। इन लोगों (राजद और कांग्रेस) ने कुछ काम नहीं किया। बिहार में एनडीए सरकार ने सामाजिक पेंशन को 400 रुपए से बढ़ाकर 1100 रुपए किया है।

बिहार से घुसपैठियों को निकालने का चुनाव है:शाह

अमित शाह ने कहा कि, राहुल गांधी चाहते हैं कि घुसपैठियों को वोट का अधिकार मिले। सीमांचल वालों बताओं घुसपैठियों का वोट का अधिकार मिलना चाहिए क्या। राहुल बाबा कान खोलकर सुन लो, बिहार और देश से चुन-चुनकर घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे।

गुरुग्राम में डिवाइडर से टकराकर पलटी थार,5 की मौत

मरने वालों में यूपी के जज की बेटी भी,हाथों में क्लब के बैंड मिले,6 लोग सवार थे

गुरुग्राम,27 सितम्बर 2025 (ए)। हरियाणा के गुरुग्राम में शनिवार सुबह दिल्ली की तरफ से आ रही तेज रफ्तार थार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई। हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसे मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया है। यूपी नंबर (यूपी81 सीएस 2319) की इस काले रंग की थार में कुल 6 लोग सवार थे, जिनमें तीन युवक और तीन युवतियां थीं। हादसे में दो युवक और तीन युवतियों की मौत हुई है। वहीं एक मृत युवती की पहचान प्रतिष्ठा मिश्रा के रूप में हुई है जो रायबरेली के जज चंद्रमणि मिश्रा की बेटी हैं।

घटना की सूचना मिलते ही गुरुग्राम पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। हादसे से पहले का एक सीसीटीवी वीडियो सामने आया, जिसमें थार हाईवे पर तेज रफ्तार में निकलती हुई नजर आ रही है।

मृतकों में तीन यूपी और एक सोनीपत निवासी : इस घटना में मृतकों में तीन लोग उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे, इनमें रायबरेली की प्रतिष्ठा मिश्रा (25), आगरा के आदित्य प्रताप सिंह (30) व लवनय (26) शामिल हैं। गौतम (31) सोनीपत के रहने वाले थे। हालांकि वर्तमान में वह ग्रेटर नोएडा में रहते थे। एक अन्य मृतका का नाम सोनी है। वह कहां की रहने वाली है, ये अभी पता नहीं चल पाया है। वहीं,घायल युवक की पहचान कपिल शर्मा (28) के रूप में हुई,जो उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर का रहने वाला है।

पुलिस के मुताबिक यह हादसा शनिवार अलसुबह करीब 4:15 बजे गुरुग्राम के झाड़सा चौक पर हुआ। राहगीरों ने बताया की गाड़ी दिल्ली की तरफ से स्पीड में आ रही थी, तभी नेशनल हाईवे-48 के एग्जिट नंबर 9 से नीचे उतरते ही ड्राइवर ने गाड़ी से कंट्रोल खो दिया और थार पहले डिवाइडर से टकराई और फिर पलट गई।

इंडियन आर्मी अनंत शस्त्र एयर मिसाइल वेपन सिस्टम खरीदेगी

नई दिल्ली,27 सितम्बर 2025 (ए)। भारतीय सेना का एयर डिफेंस सिस्टम अब और मजबूत होगा। सेना ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को लगभग 30 हजार करोड़ में अनंत शस्त्र सरफेस टू एयर मिसाइल वेपन सिस्टम खरीदने का टेंडर जारी किया है। इसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने बनाया है। पहले इसे क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल कहा जाता था। अब इसका नाम बदलकर 'अनंत शस्त्र' रखा गया है। अनंत शस्त्र की 5 से 6 रेजिमेंट खरीदी जाएंगी और इन्हें पाकिस्तान-चीन की सीमाओं पर तैनात किया जाएगा। अनंत शस्त्र की खासियत यह है कि यह चलते-फिरते भी दुश्मन के टारगेट को हिट कर सकता है। साथ ही बहुत कम समय में फायर कर सकता है। इसकी मारक क्षमता लगभग 30 किलोमीटर (जमीन से हवा में) तक है। यह सेना के मौजूदा आकाशतीरऔर मीडियम रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल मिसाइल सिस्टम का साथ देगा।

अनंत शस्त्र की दिन और रात दोनों में सफल टेस्टिंग की जा चुकी है। इसी साल मई में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस प्रोजेक्ट को हरी झंडी दी गई थी।

बुलेट ट्रेन का सूरत-बिलिमोरा खंड 2027 में चालू हो जाएगा : रेल मंत्री

नई दिल्ली,27 सितम्बर 2025 (ए)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि बुलेट ट्रेन परियोजना का पहला परिचालन खंड सूरत से बिलिमोरा के बीच 2027 में चालू हो जाएगा। उन्होंने सूरत में हाई स्पीड रेल परियोजना कार्य का जायजा लिया और परियोजना की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। वैष्णव ने मीडिया से बातचीत में बताया कि सूरत-बिलिमोरा के बीच काम तेजी से चल रहा है। स्टेशन का सिविल वर्क पूरा हो चुका है और फ़िनिशिंग व यूटिलिटी वर्क अभी चल रहा है। ट्रैक कार्यों में कई नई तकनीकों का उपयोग किया गया है, जो देश की किसी भी अन्य परियोजना में पहली बार अपनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि बुलेट ट्रेन परियोजना में प्रयुक्त ये तकनीकें आने वाले समय में देश की अन्य रेल परियोजनाओं के लिए भी लाभकारी साबित होंगी। उन्होंने कहा कि सूरत स्टेशन पर पहला टर्नआउट सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है। टर्नआउट रेलवे ट्रैक का महत्वपूर्ण जंक्शन होता है।

जंगल का केवल 20 प्रतिशत पर्यटकों के लिए खुला इसके विस्तार से होगा आदिवासियों का विकास : गडकरी

नई दिल्ली,27 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वर्तमान में जंगल का केवल 20 प्रतिशत ही पर्यटकों के लिए खुला है और बाकी 80 प्रतिशत वन्य क्षेत्र सुरक्षित रखा गया है। वन्य जीवन को नुकसान पहुंचाए बिना यदि जंगलों के और ज्यादा हिस्से को पर्यटकों के लिए खोला जाए तो स्थानीय आदिवासियों के विकास और उन्नति को और बढ़ावा मिलेगा।

गडकरी ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित वन्यजीव फोटो प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में कहा कि नागपुर और आसपास के जंगलों का संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

नागपुर से जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाघों की सुरक्षा के लिए विशेष संरचनाएं बनाई गई हैं, जिनमें सड़क के नीचे मार्ग और ऊपर जंगल जैसी व्यवस्था शामिल है, ताकि वन्य जीवन और सड़क यातायात में संतुलन बना रहे। उन्होंने कहा कि राजस्थान और महाराष्ट्र के जंगलों में पर्यटन के अवसरों का विस्तार किया गया है और इसमें स्थानीय आदिवासी युवाओं को रोजगार भी मिला है। पर्यटन क्षेत्र में इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग बढ़ाने और प्रदूषण व ध्वनि नियंत्रण के लिए सर्वोच्च न्यायालय की समिति द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र का लगभग 80 प्रतिशत वन्य क्षेत्र विदर्भ में स्थित है। उनके संसदीय क्षेत्र को टाइगर कैपिटल के रूप में जाना जाता है।

संपादकीय

अब दवाओं पर टैरिफ

भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से लंबित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिये नए सिरे से जारी बातचीत के बीच,राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फार्मा उत्पादों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की है। ट्रंप ने ब्रांडेड और पेटेंटेड दवा उत्पादों पर सौ फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की है,बशर्ते कि दवा निर्माता कंपनियां अमेरिका में उत्पादन सुविधाएं स्थापित न करें। आशंका है कि ट्रंप के इस कदम का प्रभाव भारत के फार्मा उद्योग पर पड़ सकता है, जिसने देश को 'दुनिया की फार्मेसी' के रूप में स्थापित किया है। दुनिया भर से अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले तीस अरब डॉलर के फार्मा उत्पादों में से दस अरब डॉलर से अधिक का निर्यात भारत से होता है। भारत मुख्य रूप से अमेरिका को कम लागत वाली जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। यह अच्छी बात है कि ये जेनेरिक दवाइयां नई टैरिफ व्यवस्था के दायरे में नहीं आती हैं। हालांकि,अभी तक सक्रिय दवा सामग्री यानी एपीआई पर कोई स्पष्टता नहीं है। वैसे भारत से भारतीय ब्रांडेड दवाइयों का भी निर्यात होता है। व्यापार अनुसंधान एजेंसी ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव के अनुसार फॉर्मास्युटिकल क्षेत्र में भारत सबसे बड़ा निर्यातक है,लेकिन ये अधिकांशतः गैर-ब्रांडेड दवाइयां हैं। वैसे अमेरिका द्वारा भारतीय आयात पर पचास फीसदी टैरिफ लगाने पर भी आशंका जताई गई थी कि इससे जेनेरिक व ब्रांडेड दवाएं महंगी हो सकती हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में भारत की फार्मा कंपनियों की आय का बड़ा जरिया होने के कारण ये काफी कम मार्जिन पर काम करती हैं। ऐसे में यदि उन पर टैरिफ लगता है, तो उनका वहां कारोबार करना कठिन हो सकता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के दवा बाजार में बड़े ब्रांड वाली दवाइयों के सस्ते प्रारूप वाली जेनेरिक दवाइयों का आधे से अधिक हिस्से पर अधिकार है,जिससे अमेरिका की स्वास्थ्य सेवा लागत में अरबों रुपये की बचत होती है। एक अनुमान के अनुसार, यह बचत एक साल में दो सौ डॉलर से अधिक की होती है।

आशंका जतायी जा रही है कि यदि भारत व अमेरिका में व्यापार समझौता नहीं होता तो भी टैरिफ के कारण कुछ भारतीय जेनेरिक दवा कंपनियों को बाजार से बाहर होना पड़ सकता है। लेकिन यह स्थिति अमेरिका के लिये भी संकट बढ़ा सकती है। भारतीय जेनेरिक दवा कंपनियों की अनुपस्थिति में अमेरिका में पहले ही दवाओं की कमी का संकट और गहरा सकता है। लेकिन ट्रंप के फार्मा उद्योग पर सौ फीसदी टैरिफ लगाए जाने से भारतीय दवा उद्योग में निराशा जरूर व्याप्त हुई है। देश के बड़े दवा शेयरों में अचानक आई गिरावट इसका ही नतीजा है। अब चाहे यह गिरावट अल्पकालिक हो, लेकिन इसमें दोराय नहीं कि ट्रंप के अगले कदम को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। दवा उद्योग को आशंका है कि ट्रंप आने वाले दिनों में जेनेरिक दवाओं पर भी टैरिफ लगा सकते हैं,जबकि अमेरिकी प्रशासन को पता है कि ऐसे किसी प्रतिबंध से वहां स्वास्थ्य सेवाओं की लागत में इजाफा होगा। वहीं दूसरी ओर,गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों की इन दवाओं तक पहुंच सीमित हो जाएगी। निश्चित रूप से अमेरिका से चल रही बातचीत के दौरान भारत को इस मुद्दे को प्राथमिकता देनी चाहिए। हालांकि,अमेरिका को भी पता है कि ये निषेधात्मक टैरिफ खुद उसके लिये भी प्रतिकूल साबित हो सकते हैं। साथ ही, अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर प्रतिकूल असर डाल सकते हैं, जो पहले ही ट्रंप के विघटनकारी फैसलों का शिकार है। ऐसे में अमेरिका को सस्ती दवाओं को एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि आगामी समझौते में उसके दवा क्षेत्र के लिये पर्याप्त सुरक्षा उपाय सुनिश्चित हों। इसके साथ ही भारत को अपनी दवाओं के लिये नये बाजार तलाशने चाहिए। साथ ही, प्रमुख भारतीय दवा कंपनियों को जटिल जेनेरिक दवाओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए,जो मुख्य रूप से ब्रांडेड श्रेणी में आती हैं। इससे दवा कंपनियों को उच्च मूल्य वाले बाजार में पहुंच बनाने में मदद मिल सकती है।

संस्कारों की धरोहर और भविष्य की नींव हैं बेटियां

सय्यद अलीम अली -विभूति फीचर्स

हर साल डॉटर डे बेटियों के महत्व, उनके योगदान और उनके प्रति भावनाओं को व्यक्त करने का अवसर देता है। यह सिर्फ औपचारिक शुभकामना का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी क्षण है कि हम बेटियों के लिए कैसा वातावरण और भविष्य तैयार कर रहे हैं।

अमानह और दुनिया की हर बेटी को शुभकामनाएँ : आज मैं अपनी बेटी अमानह और इस संसार की हर बेटी को हृदय से डॉटर डे पर हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। बेटियाँ ईश्वर का सबसे सुंदर उपहार हैं-उनकी मासूमियत,उनकी मुस्कान,उनकी संवेदनशीलता और उनकी जिज्ञासा जीवन को एक नया अर्थ देती है। वे घर की रौनक, संस्कारों की वाहक और भविष्य की नींव होती हैं।

नई सुबह का प्रतीक : बेटी का जन्म परिवार के लिए एक नई सुबह का उदय होता है। जैसे सूरज की पहली किरण घर में रोशनी भर देती है, वैसे ही बेटी का आगमन हर कोने को खुशी और उत्साह से भर देता है। वह परिवार की धड़कन होती है और समाज को दिशा देने वाली शक्ति भी।

उम्मीदों की किरण : अमानह और दुनिया की हर बेटी मासूम मुस्कान, बड़े सपनों और उवल भविष्य की तस्वीर हैं। बेटियाँ स्नेह, विश्वास, जिम्मेदारी और संबल की आधारशिला होती हैं। वे कठिनाइयों का सामना करने का साहस देती हैं और प्रेरणा का स्रोत बनती हैं।

साहस और प्रेरणा की प्रतीक बेटियां : भारत का इतिहास रानी लक्ष्मीबाई, सावित्रीबाई फुले, किरण बेदी, नीरजा भनोट, लता मंगेशकर, मैरी कॉम, कल्पना चावला, अरुणिमा सिन्हा और पी. वी. सिंधु जैसी बेटियों के साहस, सेवा और उपलब्धियों से भरा है। ये भारत की बेटियाँ आने वाली पीढ़ियों के लिए सशक्तिकरण का मार्ग आलोकित करती हैं।

सरकार की योजनाएँ : बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, लाड़ली लक्ष्मी, सुकन्या समृद्धि और बालिका समृद्धि जैसी योजनाएँ बालिकाओं के जन्म, शिक्षा और आर्थिक सुरक्षा को बढ़ावा देती हैं। इनसे समाज में बेटी के प्रति सोच भी सकारात्मक हो रही है।

डॉटर डे पर संकल्प : डॉटर डे हमें यह संकल्प लेने की प्रेरणा देता है कि हम बेटियों को शिक्षा के पूर्ण अवसर देंगे। उनके सपनों को पंख देंगे। समाज में उन्हें बराबरी और सम्मान देंगे। उनकी सुरक्षा और स्वतंत्रता को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे।

घर की धड़कन, समाज की आत्मा : बेटियाँ सिर्फ घर की शोभा नहीं, बल्कि समाज की आत्मा और भविष्य की नींव हैं। उनकी संवेदनशीलता और मेहनत समाज में करुणा, सहयोग और नई ऊर्जा का संचार करती है। बेटियों का सम्मान और सशक्तिकरण ही एक सुंदर,न्यायपूर्ण और संतुलित विश्व की सबसे बड़ी गारंटी है।

अमानह और सभी बेटियों के लिए संदेश : प्रिय अमानह और विश्व की सभी बेटियों, तुम्हारा अस्तित्व इस दुनिया को खूबसूरत बनाता है। तुम्हारे भीतर वह शक्ति है जो दुनिया को बदल सकती है। उड़ान भरो, आगे बढ़ो, और यह मत भूलो कि तुम्हारी मुस्कान किसी के लिए जीवन की सबसे बड़ी उम्मीद हो सकती है।

संघ और स्त्रियां:सेविका समिति से शताब्दी तक की यात्रा

सितंबर 2025 में आयोजित व्याख्यानमाला के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि आज महिलाओं की भागीदारी समाज और राष्ट्र निर्माण में पहले से कहीं अधिक आवश्यक है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि स्त्री-शक्ति केवल परिवार तक सीमित नहीं है,बल्कि सामाजिक,राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों में भी उसकी बराबरी की भूमिका होनी चाहिए। भागवत ने कहा कि मातृशक्ति के बिना राष्ट्र अधूरा है। उन्होंने इस पर ज़ोर दिया कि भारतीय संस्कृति में नारी को सदा पूजनीय और निर्णायक स्थान दिया गया है,इसलिए संघ परिवार की शाखाओं और गतिविधियों में महिलाओं का सक्रिय योगदान भविष्य की दिशा तय करेगा।

डॉ प्रियंका सौरभ

भारत के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) एक महत्त्वपूर्ण संगठन के रूप में स्थापित है। 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित यह संस्था मूलतः पुरुष swayam-sevaks के लिए बनी थी। इसकी शाखाओं,अनुशासन और विचारधारा ने धीरे-धीरे भारतीय राजनीति और समाज पर गहरा असर डाला। परन्तु जब हम महिलाओं की भूमिका की ओर देखते हैं,तो तस्वीर कुछ अलग मिलती है। आरएसएस के समानान्तर 1936 में जन्मी राष्ट्र सेविका समिति ने ही स्त्रियों के लिए रास्ता खोला। आज जब संघ अपनी शताब्दी मना रहा है, तब इस यात्रा पर नज़र डालना ज़रूरी है कि स्त्रियों की भागीदारी कहाँ से शुरू हुई और 2025 तक वह किस मुकाम तक पहुँची।

शुरुआती दौर : 1925 से 1936

संघ की स्थापना 1925 में नागपुर में हुई। यह संगठन अनुशासन, परेड, शाखा और राष्ट्रवाद पर आधारित था। लेकिन इसकी संरचना पुरुष प्रधान रही। हेडगेवार स्वयं मानते थे कि स्त्रियों को अलग मंच चाहिए, क्योंकि उस समय के सामाजिक परिवेश में स्त्रियों का सीधे पुरुष शाखाओं में आना सहज नहीं माना जाता था। इसी पृष्ठभूमि में 1936 में लक्ष्मीबाई केलकर ने विजयादशमी के दिन वर्धा में राष्ट्र सेविका समिति की स्थापना की। हेडगेवार ने भी इस पहल का स्वागत किया और सुझाव दिया कि महिलाएँ अपनी संस्था चलाएँ, ताकि वे अपनी शक्ति,संस्कृति और नेतृत्व को स्वतंत्र रूप से विकसित कर सकें। इस तरह महिलाओं की भागीदारी औपचारिक रूप से शुरू हुई।

सेविका समिति की स्थापना और शुरुआती संघर्ष

1939 में पहली बार समिति ने प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया। धीरे-धीरे अलग-अलग प्रांतों में इसकी शाखाएँ बनने लगीं। समिति का उद्देश्य केवल राष्ट्रवादी विचार फैलाना नहीं था, बल्कि स्त्रियों में 'मातृत्व, कर्तृत्व और नेतृत्व' (मातृत्व, कर्तृत्व, नेतृत्व) जैसे गुणों का विकास करना भी था। इसमें शारीरिक प्रशिक्षण, योग, गीत, खेल, अनुशासन और समाज सेवा शामिल किए गए। आज़ादी के आंदोलन में भी समिति की महिलाओं ने परोक्ष रूप से भूमिका निभाई। परन्तु उनकी गतिविधियाँ मुख्यतः सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्रों तक सीमित रहीं।

1940 से 1970 का दशक विस्तार की ओर

स्वतंत्रता के बाद के दशकों में समिति का नेटवर्क बढ़ा। लक्ष्मीबाई केलकर की मृत्यु (1978) तक संगठन कई राज्यों में फैल चुका था। उनके बाद सरस्वती आपटे प्रमुख संचालिका बनीं। इस समय तक शाखाओं की संख्या हज़ारों में पहुँच गई थी। समिति का जोर महिला शिक्षा, संस्कार,और सेवा परियोजनाओं पर रहा। आपातकाल (1975-77) में समिति से जुड़ी महिलाओं ने विरोध प्रदर्शनों में भी भाग लिया। इस दौर ने उन्हें राजनीतिक रूप से अधिक सचेत और सक्रिय बनाया।

1980-2000: आधुनिकता और परम्परा का संगम

90 के दशक में जब भारतीय राजनीति में भाजपा और संघ परिवार का प्रभाव बढ़ने लगा, तो महिलाओं की भागीदारी भी चर्चा में आने लगी। समिति ने इस समय शहरी और पेशेवर महिलाओं तक पहुँच बनाने की कोशिश की। महिला शिक्षिकाएँ, चिकित्सक और नौकरीपेशा स्त्रियाँ समिति के कार्यक्रमों से जुड़ने लगीं। 1994 में उषाताई चाटे और 2006 में प्रमिलाताई मेढे प्रखर नेतृत्व के रूप में सामने आईं। इन नेताओं ने महिला शाखाओं को आधुनिक मुद्दों–जैसे कामकाजी महिलाओं की चुनौतियाँ, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार में संतुलन–से जोड़ा।

2012 से आगे: शांथक्का का नेतृत्व

2012 में वेंकट्रामा शांता कुमारी, जिन्हें लोकप्रिय रूप से शांथक्का कहा जाता है, राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका बनीं। उनका जन्म 1952 में हुआ और वे लंबे समय से संघ परिवार के कार्य में सक्रिय थीं। उनके नेतृत्व में समिति ने अपना विस्तार और तेज़ किया। आज समिति के पास चार से पाँच हज़ार शाखाएँ हैं, जो लगभग 800 से अधिक जिलों में फैली हुई हैं। यद्यपि सटीक आँकड़े संगठन सार्वजनिक नहीं करता, लेकिन अनुमान है कि लाखों महिलाएँ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इससे जुड़ी हुई हैं। समिति शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा, छात्रावास और महिला सशक्तिकरण परियोजनाएँ चला रही है। शहरी महानगरों में भी इसकी शाखाएँ सक्रिय हो रही हैं।

संघ और महिला प्रश्न

संघ के भीतर महिलाओं को औपचारिक सदस्यता या नेतृत्व स्थान नहीं दिया गया है। आरएसएस की शाखाएँ केवल पुरुषों के लिए ही हैं। महिलाएँ केवल समिति के माध्यम से संघ के विचारधारा संसार का हिस्सा बनती हैं। आलोचकों का कहना है कि यह व्यवस्था महिलाओं को मुख्यधारा से बाहर रखती है। वे पुरुषों के बराबर निर्णयकारी पदों पर नहीं पहुँच पातीं। परन्तु समर्थकों का मत है कि अलग संगठन होने से महिलाएँ स्वतंत्र रूप से नेतृत्व और गतिविधियाँ विकसित कर पाती हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई बार कहा है कि महिलाओं की भागीदारी प्राकृतिक रूप से बढ़ रही है। परन्तु अब भी नेतृत्व संरचना में असमानता साफ दिखाई देती है।

वर्तमान स्थिति (2025) : संघ अपनी शताब्दी मना रहा है। उसके लगभग 83,000 शाखाएँ देशभर में सक्रिय बताई जाती हैं। वहीं राष्ट्र सेविका समिति की शाखाएँ भी लगातार बढ़ रही हैं। समिति अब गाँवों के साथ-साथ महानगरों में भी काम कर रही है। इसके प्रशिक्षण वर्गों में स्कूली छात्राओं से लेकर पेशेवर महिलाएँ तक भाग ले रही हैं। 2025 में समिति का चेहरा परम्परा और आधुनिकता का मिश्रण है–जहाँ एक ओर मातृत्व और परिवार आधारित मूल्य हैं,वहीं दूसरी ओर समाज सेवा और महिला नेतृत्व के अवसर भी हैं। समिति ने लाखों महिलाओं को संगठित कर आत्मविश्वास और सामूहिकता दी। शिक्षा, सेवा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से समाज पर ठोस असर पड़ा। महिलाओं को नेतृत्व और प्रबंधन का अवसर मिला। महिलाएँ संघ की मुख्य धारा (आरएसएस) में निर्णयकारी भूमिकाओं से बाहर रहीं। संगठन का वैचारिक ढाँचा महिलाओं को परम्परागत भूमिकाओं तक सीमित करता है। आधुनिक नारीवादी विमर्श से समिति का दृष्टिकोण टकराता है, क्योंकि वह स्वतंत्रता और समानता की बजाय मातृत्व और संस्कृति पर ज़ोर देती है। सितंबर 2025 में आयोजित व्याख्यानमाला के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि आज महिलाओं की भागीदारी समाज और राष्ट्र निर्माण में पहले से कहीं अधिक आवश्यक है। व्याख्यानमाला में यह भी कहा गया कि 2025 का भारत उस मुकाम पर खड़ा है, जहाँ महिला नेतृत्व केवल पूरक नहीं बल्कि निर्णायक भूमिका निभा रहा है। वक्ताओं ने यह भी जोड़ा कि आधुनिक शिक्षा, तकनीक और आर्थिक आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में महिलाएँ जिस तरह से आगे बढ़ रही हैं,संघ परिवार को भी उसी अनुरूप अपनी संरचना और कार्यपद्धति को और खुला बनाना होगा। व्याख्यानमाला में अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और विचारकों ने भी महिला नेतृत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि कैसे राष्ट्र सेविका समिति की महिलाएँ दशकों से शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक सुधारों के क्षेत्र में काम कर रही हैं। यह तर्क दिया गया कि यदि 1925 में संघ की नींव रखी गई थी, तो उसी दशक में महिलाओं के लिए समानांतर संगठन की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि महिलाओं की उपस्थिति को शुरुआत से ही महत्वपूर्ण माना गया। 1925 से 2025 की यात्रा दिखाती है कि संघ की विचारधारा से प्रेरित महिलाओं ने अपना अलग संगठन खड़ा कर लिया और उसे राष्ट्रीय स्तर तक फैलाया। लक्ष्मीबाई केलकर से लेकर शांथक्का तक यह सिलसिला निरंतर चला है। आज जब भारतीय समाज में महिलाएँ राजनीति, शिक्षा, व्यवसाय और सेना तक में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं,तब यह सवाल और महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि–क्या भविष्य में महिलाएँ सीधे संघ की शाखाओं और नेतृत्व में भी शामिल होंगी, या वे हमेशा समानान्तर संगठन तक ही सीमित रहेंगी?संघ की शताब्दी महिलाओं की इस यात्रा का पड़ाव भी है–एक यात्रा जिसमें परम्परा, अनुशासन, सेवा और नेतृत्व का संगम है, लेकिन समानता और सहभागिता की चुनौती अब भी शेष है।

आई लव मोहम्मद की हकीकत और साजिशों का सच

अजय कुमार, लखनऊ,उ. प्र.

इस्लाम धर्म में बुतपरस्ती यानी मूर्तिपूजा को कड़ाई से हराम घोषित किया गया है। पैग़म्बर साहब की किसी तस्वीर, चित्र या मूर्ति बनाने पर हमेशा से पाबंदी रही है, क्योंकि इस्लाम का मूल संदेश एक ईश्वर की इबादत पर आधारित है, न कि किसी प्रतिमा या चित्र की पूजा पर। लेकिन इन दिनों उत्तर प्रदेश में नए तरह का चलन देखने को मिल रहा है, जिसमें जगह-जगह आई लव मोहम्मद लिखे बैनर और पोस्टर लगाए जा रहे हैं।मोहम्मद साहब के नाम पर समाज का माहौल खराब करने सहित दंगा फैलाया जा रहा है। सवाल यह है कि जब पैग़म्बर की तस्वीर तक बनाना मना है, तब क्या इस तरह के भावनात्मक नारे लगाकर धार्मिक और राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिशें जायज़ मानी जा सकती हैं? पैग़म्बर मोहम्मद साहब ने अपने जीवनकाल में तौहीद का संदेश दिया था। उन्होंने हर तरह की बुतपरस्ती और चित्र या मूर्ति पूजा का खंडन किया। लेकिन आई लव मोहम्मद जैसी कार्यवाहियाँ इस्लाम की उसी मूल भावना से टकराती नज़र आती हैं। यहाँ सवाल यह नहीं कि मोहम्मद साहब के प्रति प्रेम या आदर किया जा रहा है, बल्कि यह है कि उस प्रेम को किस रूप में प्रदर्शित किया जा रहा है। इस्लाम में अपने पैग़म्बर से मोहब्बत दिखाने का तरीका उनके बताए मार्ग पर चलना और अमल करना है,न कि नारेबाज़ी और पोस्टरों से हंगामा खड़ा करना। कानपुर से आई लव मोहम्मद के पोस्टर से जो चिंगारी निकली थी बरेली में उसने उग्र रूप धारण कर लिया। उपद्रवियों ने जम कर हिंसा और लूटपाट की। इस अराजकता के लिये विवादित मुस्लिम मौलाना तौकीर रजा सीधे तौर पर उतरदायी है।बरेली में तौकीर रजा सहित दंगा फैलाने वालों पर कार्रवाई के बाद इस समय वहां तनावपूर्ण शांति है। बीते कुछ महीनों से उत्तर प्रदेश के कई शहरों में आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर, दीवारों पर बने बड़े-बड़े बैनर और झंडे देखने को मिल रहे हैं। इन बैनरों को लगाने का नाम भले ही धार्मिक प्रेम दिखाना बताया जा रहा हो,लेकिन जानकारों का मानना है कि इसके पीछे गहरी राजनीतिक नीयत छिपी हुई है। यह सिर्फ साधारण नारा नहीं है,बल्कि एक सोची-समझी साज़िश है जिसमें धार्मिक भावनाओं को भड़काकर समाज में तनाव पैदा किया जा रहा है। इन बैनरों का उद्देश्य केवल अपने समुदाय में धार्मिक जोश जगाना नहीं,बल्कि दूसरे धर्मों के लोगों को उकसाना भी है। सार्वजनिक जगहों पर लगाए जाने वाले ये पोस्टर जब किसी अन्य संप्रदाय के इलाके में लगाए जाते हैं,तो स्वाभाविक रूप से टकराव की स्थिति बनती है। उत्तर प्रदेश के कई कस्बों और शहरों में यही देखने को मिला। मोहल्लों में एक वर्ग जब आई लव मोहम्मद के झंडे या बैनर लेकर निकलता है, तो दूसरा वर्ग इसे उकसावे की कार्रवाई मानता है। धीरे-धीरे माहौल गरमाने लगता है और छोटे-छोटे विवाद बड़े दंगों में बदल जाते हैं। गौरतलब है कि प्रदेश की कानून व्यवस्था लंबे समय से धार्मिक तनावों को लेकर चुनौती झेल रही है। प्रशासन अक्सर नारे लगाने और पोस्टर चिपकाने वालों के खिलाफ सख्ती नहीं दिखाता,क्योंकि इसे धार्मिक भावनाओं से जुड़ा मामला बना दिया जाता है। लेकिन सवाल ये उठता है कि जब इस्लामी शिक्षाओं में चित्र और मूर्ति जैसी चीज़ों का कोई स्थान नहीं है, तो फिर इन पोस्टरों को धार्मिक स्वतंत्रता कैसे माना जा सकता है? यह स्पष्ट है कि प्रशासन की शिथिलता के कारण ही ये साज़िशें परवान चढ़ रही हैं। धार्मिक नारों और बैनरों का दूसरा बड़ा पहलू राजनीति से जुड़ा हुआ है। हर चुनावी मौसम में समुदाय विशेष की भावनाओं को भड़काकर वोट पाना एक आम चलन बन चुका है। आई लव मोहम्मद आंदोलन भी यही खेल लगता है। आम लोगों की आस्था को हथियार बनाकर न केवल वातावरण दूषित किया जा रहा है, बल्कि दंगे-फसादों का डर दिखाकर राजनैतिक गोलबंदी भी की जा रही है। इन घटनाओं के कारण समाज के आम नागरिक लगातार दहशत में जी रहे हैं। जिन इलाकों में पोस्टर लगाए जाते हैं, वहां तनाव फैल जाता है। दुकानें जल्दी बंद हो जाती हैं, दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है और छोटे-छोटे बच्चों तक के मन में डर बैठ जाता है। बड़ों के दिमाग में यह सवाल गूंजता है कि यह प्यार दिखाने का तरीका है या दंगे भड़काने की चाल? वहीं कई मुस्लिम विद्वानों ने खुलकर कहा है कि इस तरह के नारे और बैनर इस्लामी शिक्षा के खिलाफ हैं। पैग़म्बर मोहम्मद साहब से असली प्रेम उनका आदर्श जीवन अपनाने में है,न कि झंडे और पोस्टर लहराने में। लेकिन यही धार्मिक संदेश जब तक आम जनता तक सही रूप में नहीं पहुंचेगा,तब तक ये साज़िशें जारी रहेंगी। भारत का इतिहास धार्मिक उन्माद और दंगों से भरा पड़ा है। छोटी-सी चिंगारी बड़े विस्फोट में बदल जाती है। अंग्रेजों के जमाने से लेकर आज तक, फूट डालो और राज करो की नीति बार-बार दोहराई जाती रही है। फर्क बस इतना है कि अब राजनीति करने वाले आधुनिक तरीकों से यही काम कर रहे हैं। पोस्टर, बैनर और नारे इसी आधुनिक हथियार का हिस्सा हैं। बहरहाल,कुल मिलाकर इस्लामी विद्वानों को आम जनता को समझाना होगा कि मोहम्मद साहब के नाम का उपयोग राजनीतिक मंसूबों के लिए करना पाप है। असली अनुसरण उनके जीवन मूल्यों को अपनाने में है।किसी भी समुदाय की आस्था की आड़ लेकर शहर की शांति बिगाड़ने वालों पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। धार्मिक नारेबाज़ी के नाम पर पोस्टर या बैनर लगाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। समाज के सभी वर्गों को मिलकर यह समझना होगा कि ऐसे नारों के पीछे कौन-सी अंतरात्मा काम कर रही है। जब जनता खुद इन खेलों का शिकार नहीं बनेगी,तभी शांति कायम हो पाएगी। राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी'राजनीति का आधार धार्मिक भावनाएँ नहीं, बल्कि विकास और न्याय होना चाहिए। इसके लिए जनता को कठोर सवाल करना आवश्यक है। आई लव मोहम्मद जैसे नारों और पोस्टरों को देखने पर तत्कालीन भावनाएँ भले ही धार्मिक प्रेम की प्रतीक लगें, लेकिन असलियत में इनका इस्तेमाल समाज में नफरत फैलाने और दंगे भड़काने की साज़िश के रूप में किया जा रहा है। जब इस्लाम खुद पैग़म्बर साहब की तस्वीर तक हराम मानता है, तो ऐसे पोस्टर और नारे धर्म की सेवा नहीं बल्कि धर्म के नाम पर राजनीति करने का साधन हैं। शांति, भाईचारा और आपसी सम्मान ही असली संदेश है, जो इस्लाम समेत हर धर्म की आत्मा है।

कविता

अनिल कौशिक क्योड़क,कैथल (हरियाणा)

जय माता शेरावाली

लांगुर भैरव वीर प्रहरी
अष्टभुजी मां शेरावाली।
सच्ची सुचियां जोतां वाली
भंडार भरे दर आए सवाली।
विघ्न विनायक मंगल मूर्ति
कहें गणपति अखिलेश।
जय माता दी जय माता दी
हम संग बोलें श्री गणेश ।।

अष्टमी को कंजक रूप में
हलवा पूरी घर खा जाना।
चरण धो तिलक लगाऊं
मौली कर अपने बंधवाना।
अपलक देखते बाट निहारें
लक्ष्मी सरस्वती का प्रवेश।
जय माता दी जय माता दी
हम संग बोले श्री गणेश ।।

पान सुपारी ध्वजा नारियल
पावन दर तेरे लेकर आएं।
आदि शक्ति नव रूप जगदंबा
ध्यानू भगत नहीं शीश चढ़ाएं।
जीवन बाधाएं सरल बनाओ
करते मां हर पल गुणगान।

धरा गगन गूंजे जयकारा
पहाड़ों वाली ऊंची शान।
देवों में गणराज लंबोदर
पिता कैलाशपति महेश।
जय माता दी जय माता दी
हम संग बोलें श्री गणेश ।।

धरा की धमनियां नदियों का संरक्षण आवश्यक

प्रमोद दीक्षित मलय

नदियां भूतल पर प्रवाहित जलस्रोत मात्र नहीं हैं अपितु सभ्यता की जननी हैं, सांस्कृतिक परम्परा का पुण्य प्रवाह हैं। सतत प्रवहमान नदियां जीवन का उत्स है,ऊर्जा हैं, अनुरक्ति-अनुराग हैं तो सुख,समृद्धि एवं खुशियों का मधुरिम राग भी। नदियां स्वयं में सृष्टि हैं, व्यष्टि से समष्टि की याज्ञिक-यात्रा का प्रस्थान बिंदु हैं, मुक्ति का पुनीत निर्मल पथ हैं। नदियां पोषण-भोजन प्रदायिनी हैं और प्राणों का संचार करने वाली वाहिनी भी। नदियां संयम हैं, संवेदना हैं,उत्साह-उल्लास का आह्वान भी। नदियां विराम-ठहराव का कलरव हैं तो चरैवेति-चरैवेति का निनाद भी। नदियां जीवन का आरम्भ हैं तो अंत भी। नदियां शस्य-श्यामला भूमि का आधार है तो गिरि-कानन, पठार-मैदान की प्रीति हैं, मृदुल मनुहार हैं। नदियां मानव सभ्यता एवं संस्कृति की चिर सहेली हैं तो विकास-विध्वंस की अबूझ पहेली भी। नदियां वसुधा का श्रृंगार हैं, आभूषण हैं और लोक का अनिंद्य सौंदर्य भी। नदियां सुरभित जीवन की शीतलता-तरलता हैं तो कटुता, विषमता का विपर्यय मधुरता,समता,सरलता भी। नदियां मर्यादा की पताका हैं तो शुभता का मंगल नाद भी। वास्तव में सदानीरा सरिताएं जीवन की निरंतरता, सतत प्रवाहमयता, वात्सल्यपूर्ण ममता, धीरता समता-समरसता की प्रतीक हैं, पहचान हैं। नदियां पृथ्वी के पृष्ठ पर जीवन के तेज-ओज,आह्लाद-हर्ष का हस्ताक्षर हैं। नदियां श्रद्धा-आस्था का निर्मल निर्झर हैं और शांति,साहचर्य, सह-अस्तित्व,सहयोग-समन्वय का अन्यतम उपसंहार भी। किंतु वसुंधरा की जीवन रेखाएं सरिताएं संकट में हैं, अस्तित्व हेतु जूझ रही हैं। नदियों का जीवन-रस जल सूख रहा है, नदियां मर रही हैं। तभी तो नदियों को बचाने, संवारने और संरक्षण के लिए जागरूकता हेतु प्रत्येक वर्ष संयुक्त राष्ट्रसंघ की पहल पर सितम्बर के चौथे रविवार को विश्व नदी दिवस का आयोजन किया जाता है। जागतिक सौंदर्य एवं समृद्धि के लिए नदियों का सतत प्रवाहित बने रहना आवश्यक है, किंतु नदियों में औद्योगिक कचरे, घरेलू उपयोग के गंदे जल एवं सीवेज अपशिष्ट का बिना शोधन प्रवाहित करना तथा अवैध खनन, नदी क्षेत्र में अवैध कब्जे-अतिक्रमण से नदी प्रवाह मार्ग संकुचित होने से नदियों की सांसें थम रही हैं। नदियों की यह स्थिति एवं समस्या केवल भारत की नहीं अपितु वैश्विक है। इसलिए वर्ष 2005 में संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा घोषित जीवन के लिए जल दशक कार्यक्रम अंतर्गत जल संसाधन विकास द्वारा आयोजित दुनिया के नदी प्रेमी एवं जल संरक्षण कार्यकर्ताओं के पहले वैश्विक सम्मेलन में नदियों को बचाने के लिए कनाडा के पर्यावरणविद् और एक हजार नदियों की यात्रा करने वाले नदी प्रेमी मार्क एंजेलो के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्रसंघ ने प्रत्येक वर्ष सितम्बर महीने के चौथे रविवार को विश्व नदी दिवस आयोजित करने हेतु 29 जून, 2005 को घोषणा किया। तब से अनवरत शताधिक देशों में सरकारी एवं गैर-सरकारी स्तर पर छोटे-बड़े आयोजन कर आम जन को नदियों एवं जल मार्गों के महत्व, उनकी सुरक्षा, प्रबंधन एवं संरक्षण करने तथा नदियों के अस्तित्व लिए उत्पन्न खतरों से सचेत-सावधान करने तथा नदी जल-जीवों को बचाने हेतु विश्व नदी दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत वाद-विवाद प्रतियोगिता, भाषण-लेख एवं कविता-कहानी लेखन,नदियों के तटों पर शैक्षिक भ्रमण एवं पर्यटन, सामुदायिक नदी उत्सवों के आयोजन,नदियों की सफाई करने, नदी केंद्रित पेंटिंग-कार्टून बनाने एवं प्रश्नोत्तरी में सहभागिता करने तथा जन-जन में जल के दैनंदिन समुचित उपयोग-उपभोग की जानकारी देने जैसे कार्यक्रम करके जागरूकता का प्रसार किया जा रहा है जो प्रत्येक वर्ष एक विशेष विषय बिंदु पर आधारित होते हैं।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

गरबा-डांडिया कार्यक्रम से पहले कलाकार एल्विस यादव का विरोध

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शारदीय नवरात्र चल रहा है। चारो तरफ भक्ति-भाव का माहौल है। पूजा पंडालों, विभिन्न समितियों द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस बीच पारंपरित नृत्य गरबा व डांडिया न हो तो शारदीय नवरात्र फिकी रह जाती है। इसी लिए पिछले कुछ वर्षों से बड़े शहरों की तरह अंबिकापुर में भी डांडिया व गरबा का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष भी विभिन्न आयोजकों द्वारा डांडिया व गरबा का आयोजन किया गया है। गरबा व डांडिया का 27 सितंबर को पहला आयोजन होटल पर्पल आर्किड में कलाकार एल्विस यादव का होने वाला था, लेकिन कार्यक्रम से पूर्व कलाकार एल्विस यादव को विरोध का सामना करना पड़ा। शहर के हिन्दू संगठन के कुछ लोगों ने जमकर विरोध किया। एल्विस यादव व उनके मैनेजर की गाड़ी पर हिन्दू संगठन के लोग झपट पड़े। संगठन के लोगों ने विवादित कलाकार बताते हुए सांपों के जहर का तस्करी करने का आरोप लगाते हुए विरोध जताते हुए खिलाफ में नारोबाजी की। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए थे। पुलिस बल हिन्दू संगठन के लोगों को रोकने की कोशिश भी की लेकिन नहीं माने। इस स्थिति में कालाकार एल्विस कार्यक्रम स्थल तक नहीं पहुंच पाए और वे सीधे बस स्टैंड की ओर निकल गए। 27 सितंबर को डांडिया का आयोजन पर्पल ऑर्किड में किया गया था। जिसका आयोजक होटल संचालक मुकेश अग्रवाल हैं। इनका कहना है कि कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार पिछले एक माह से चल रहा है। कार्यक्रम नजदीक आने पर हिन्दू संगठन द्वारा एल्विस यादव का विरोध किया जा रहा है। इस आयोजन के लिए एल्विस को 20 लाख रुपए दिए हैं। ये रुपए हमे वापस मिल जाए। हम सिंपल डांडिया कराकर शहर के लोगों का इंटरटेरमेंट करा लेंगे, मुझे एल्विस से कोई मतलब नहीं है। 27 सितंबर को यूट्यूबर कलाकार एल्विस यादव व 28 सितंबर को बॉलीवुड कलाकार अंजलि अरोड़ा का कार्यक्रम होना है। इन दोनों कलाकारों को लेकर शहर के हिन्दू संगठन के लोगों ने विरोध जताया है। हिन्दू संगठन का कहना है कि एल्विस यादव पर सांपों के जहर की तस्करी से जुड़े होने व अंजलि अरोड़ा अश्लिल कलाकार है।

पत्थर से नाबालिग पर जानलेवा हमला,आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम नानदमाली में 6 अगस्त को मवेशी द्वारा फसल चराए जाने की बात को लेकर हुए विवाद में एक युवक ने नबालिग पर पत्थर से जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया था। रायपुर से इलाज कराकर लौटने पर नाबालिग की मां की रिपोर्ट पर दरिमा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार तारा पैकरा दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम नानदमाली बंधानपारा की रहने वाली है। 6 अगस्त को मवेशी द्वारा फसल चरा दिए जाने की बात को लेकर गांव के सुमित पैकरा से विवाद हो रहा था। तभी सुमित पैकरा ने पत्थर उठाकर तारा के नाबालिग बेटे पर हमला कर दिया। इससे उसके सिर में गंभीर चोट लगने पर उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने रायपुर रेफर कर दिया था। इलाज कराकर लौटने के बाद नाबालिग बच्चे की मां ने मामले की रिपोर्ट दरिमा थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दखिल कर दिया है।

रेबीज एक जानलेवा बीमारी जागरुकता ही बचाव का उपाय

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

रेबीज एक जानलेवा वायरस जनित बीमारी है,जो जूनोटिक श्रेणी की सबसे खतरनाक बीमारी मानी जाती है। यह बीमारी संक्रमित जानवर, विशेषकर कुत्ते, बिल्ली, लोमड़ी व सियार के काटने से उनके लार के माध्यम से फैलती है। एक बार लक्षण प्रकट होने के बाद इसका कोई उपचार संभव नहीं है और यह 100 प्रतिशत मृत्यु का कारण बनती है। हालांकि,समय पर टीकाकरण करवा कर इससे 100 प्रतिशत बचाव संभव है। हर वर्ष 28 सितंबर को विश्व रेबीज दिवस मनाया जाता है,जो प्रसिद्ध वैज्ञानिक लुई पाश्चर की पुण्यतिथि है। लुई पाश्चर ने ही रेबीज के टीके की खोज की थी। इस दिवस का उद्देश्य लोगों में इस घातक बीमारी के प्रति जागरुकता फैलाना है ताकि इससे होने वाली मौतों को रोका जा सके। विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष लगभग 60 हजार और भारत में 20 हजार से अधिक लोगों की मौत रेबीज से होती है। 99 प्रतिशत मामलों में संक्रमण का कारण कुत्ते का काटना होता है, जबकि अन्य जानवरों से केवल 1 प्रतिशत मामले होते हैं। लक्षणों की बात करें तो संक्रमित जानवरों में पहले सामान्य बुखार जैसे लक्षण दिखाई देते हैं, जो बाद में नर्वस सिस्टम को प्रभावित करते हैं। लार बहना, आदेश नहीं मानना, खाना-पानी बंद करना और अकारण काटने दौडऩा इसके प्रमुख लक्षण हैं। अंबिकापुर में पिछले 1 महीने में 10 से 12 गायों की मौत संक्रमण से हो चुकी है। अनुमान लगाया जा रहा है कि आवारा कुत्तों के काटने से गायों में रेबीज फैल रहा है और गाय पहले अक्रमक हो रहे हैं और अंत में उनकी मौत हो जा रही है। पालतू कुत्तों को समय पर पशु चिकित्सक की सलाह से रेबीज का टीका लगवाना चाहिए और हर वर्ष बूस्टर डोज अवश्य देना चाहिए। अगर किसी को कुत्ता काट ले तो तुरंत घाव को कार्बोलिक साबुन से 10 मिनट तक बहते पानी से धोएं, एंटीसेप्टिक क्रीम लगाएं और चिकित्सक से संपर्क कर टीकाकरण करवाएं। अतिरिक्त उप संचालक, पशुधन विकास विभाग, सरगुजा डॉ. सीके मिश्रा ने कहा कि अभी भी ग्रामीण इलाकों में लोग झाडफूंक और अंधविश्वास के चलते सही इलाज नहीं कराते जिससे उनकी जान चली जाती है। इसलिए जरूरी है कि काटने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर इलाज और टीका लगवाएं। समाज में इस बीमारी से बचाव के लिए जनजागरूकता फैलाना बेहद जरूरी है, ताकि हम लोगों को इस घातक बीमारी के प्रति सतर्क कर सकें और रेबीज से होने वाली मृत्यु दर को शून्य तक ला सकें।

कक्षा 7 की छात्रा से छेड़छाड़ का आरोप,फरार शिक्षक के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज

-संवाददाता-
बलरामपुर,27 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर चौकी क्षेत्र अंतर्गत झोर स्थित पूर्व माध्यमिक शाला में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है,जिसमें विद्यालय के शिक्षक घूरन पटेल पर कक्षा 7 की छात्रा के साथ छेड़छाड़ का गंभीर आरोप लगा है। यह मामला न केवल शिक्षा जगत को झकझोर रहा है, बल्कि स्थानीय समुदाय में भारी आक्रोश और चिंता का कारण भी बन गया है। आरोप है कि शिक्षक घूरन पटेल ने विद्यालय परिसर में छात्रा के साथ आपत्तिजनक हरकत की, जिससे छात्रा मानसिक रूप से बहुत भयभीत हो गई। डर के कारण वह त्रैमासिक परीक्षा में भी शामिल नहीं हो पाई। घर जाकर छात्रा ने पूरी आपबीती अपनी बड़ी बहन को बताई और स्कूल जाने से मना कर दिया। छात्रा के परिजनों ने घटना की शिकायत तुरंत पुलिस में दर्ज कराई। पुलिस ने शिक्षक के खिलाफ पोक्सो एक्ट,एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम और आईपीसी की छेड़छाड़ से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। वाड्रफनगर पुलिस ने जानकारी दी है कि आरोपी शिक्षक घटना के बाद से फरार है और उसका मोबाइल भी बंद आ रहा है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। इस घटना को लेकर पीड़ित परिवार के साथ-साथ ग्रामीणों में भी भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने शिक्षक को तुरंत गिरफ्तार कर सख्त सजा देने की मांग की है। शिक्षा जैसे पवित्र क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं समाज को शर्मसार करने वाली हैं।

पर्यावरण संरक्षण को समर्पित रहा भाजपा सरगुजा का आयोजन

सेवा पखवाड़ा में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण

भाजपा कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नागरिकों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण को हरा-भरा बनाने का लिया संकल्प

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत आज भाजपा पदाधिकारी,जनप्रतिनिधि एवं नागरिकों की उपस्थिति में नमना कला के सियान सदन में कार्यक्रम का आयोजन हुआ तथा सदन के समीप बृहद स्तर पर पौधरोपण के साथ ही उनकी सुरक्षा हेतु लोहे के ट्री गार्ड भी लगाए गए। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि सेवा ही संगठन का संकल्प है और सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत जिलेभर में विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रम किए जा रहे हैं। हाल ही में भफौली के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भाजपा सरगुजा द्वारा स्वच्छता अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि सैकड़ों कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने मिलकर सड़क सफाई,हैंडपंप मरम्मत,झाड़ी-घास की कटाई,भवन की पोताई और अन्य कार्य करते हुए कुछ ही घंटों में स्वास्थ्य केंद्र का उल्लेखनीय कायाकल्प कर दिया। आज सियान सदन परिसर में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया गया है और आगामी दिनों में भी यह क्रम जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर जिले के 787 बूथों पर कार्यकर्ताओं ने हजारों पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि पेड़ जंगल जीवन के लिए जरूरी हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी के आह्वान पर चल रहा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान आने वाले समय में पर्यावरण संरक्षण के लिए रामबाण साबित होगा। विश्व स्तर पर मोदी जी का नेतृत्व पर्यावरण और सतत विकास की दिशा में सराहनीय है। महापौर मंजूषा भगत ने अपने संबोधन में कहा कि आज हर व्यक्ति को वृक्षारोपण कर उसके संरक्षण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। यह अभियान समाज को स्वच्छ और हरित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और भविष्य की पीढ़ी को बेहतर वातावरण मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन वार्ड क्रमांक 12 के पार्षद एवं एक पेड़ माँ के नाम अभियान प्रभारी मनोज गुप्ता ने किया तथा आभार प्रदर्शन संवाद प्रमुख संतोष दास ने किया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, सभापति हरमिंदर सिंह, करता राम गुप्ता, एच एस जायसवाल, विनोद हर्ष, निलेश सिंह, आलोक दुबे, संतोष दास, रूपेश दुबे, रविन्द्र गुप्त भारती, मनोज कंसारी, मयंक जायसवाल, शैलेश सिंह, इंदर भगत, जितेन्द्र सोनी, शशि जायसवाल, मनोज सोनी, अजय सोनी, दुर्गा शंकर दास, राहुल जायसवाल , छत्तीसगढ़ पेंशनर्स समाज अध्यक्ष हरिशंकर सिंह, सचिव त्रिलोचन यादव, जयप्रकाश चौबे, उमेश सिंह, शशिभूषण कुशवाहा, आर एन अवस्थी,यमुना लाल श्रीवास्तव एवं नरेन्द्र सिंह के अतिरिक्त अधिकाधिक संख्या में सम्मानित पेंशनर्स गण,वरिष्ठ नागरिक और भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे तथा उन्होंने पर्यावरण को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया।

फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी बनाकर जमीन रजिस्ट्री की थी तैयारी,भू माफियाओं पर पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई

-संवाददाता-
जशपुर,27 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जशपुर पुलिस ने भू माफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोप है कि मृतक जमीन मालिक के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर, उप पंजीयक कार्यालय कुनकुरी से पॉवर ऑफ अटर्नी बनवाई गई थी। पुलिस ने मामले में भादवि की धारा 420, 467, 468, 471 और 120 (बी) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। गिरफ्तार आरोपियों में जितेंद्र कुमार शर्मा (34 वर्ष, निवासी दरबारी टोली, जशपुर) और अघनु राम (58 वर्ष, निवासी टंगरा टोली, जशपुर) शामिल हैं।

शिकायत और जांच से उजागर हुई साजिश : ग्राम गम्हरिया निवासी महेश राम ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत और न्यायालय में परिवाद दायर कर आरोप लगाया था कि उसके पिता सोमरा राम की मृत्यु 2014 में हो चुकी है, फिर भी उनकी कृषि भूमि पर भू माफियाओं ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर बिक्री की कोशिश की। जांच में पता चला कि आरोपियों ने मृतक सोमरा राम के नाम से जाली आधार कार्ड बनवाया जिसमें फोटो आरोपी अघनु राम का था। आरोपी अघनु राम ने ही उप पंजीयक कार्यालय कुनकुरी में स्वयं को सोमरा राम बताकर पॉवर ऑफ अटर्नी जारी करवाई।

पुलिस की कार्रवाई : पुलिस ने सबूत जुटाने के बाद आरोपियों जितेंद्र कुमार शर्मा और अघनु राम को हिरासत में लेकर उनके आधार कार्ड जब्त किए। पूछताछ में दोनों ने अपराध स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि आनंद खलखो और रामलाल के साथ मिलकर उन्होंने पॉवर ऑफ अटर्नी का काम कराने की साजिश रची थी। आनंद खलखो और रामलाल अभी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने दी जानकारी : एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि जालसाजी कर मृत व्यक्ति के नाम से फर्जी व्यक्ति खड़ा करने और पॉवर ऑफ अटर्नी लेने की साजिश का पर्दाफाश किया गया है। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है और फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

कार्रवाई में रही इनकी भूमिका : इस कार्रवाई में थाना प्रभारी कुनकुरी निरीक्षक राकेश कुमार यादव, उप निरीक्षक राकेश सिंह, सहायक उप निरीक्षक ईश्वर प्रसाद वारले, प्रधान आरक्षक दलेश्वर यादव, आरक्षक चंद्र शेखर बंजारे और प्रवीण टोप्पो की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ट्राइबल टाइगर अंबिकापुर व रेलवे करंजी के बीच सेमी फाइनल आज

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

गांधी स्टेडियम में खेले जा रहे संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के अंतर्गत शनिवार को दो मैच खेले गए। पहला मैच सरगुजा-11 विरुद्ध फुटबॉल क्लब कर्मयोगी के मध्य खेला गया। जिसमें सरगुजा-11 की टीम ने कर्मयोगी को 3-2 गोल से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। खेल के प्रथम हाफ में सरगुजा-11 अंबिकापुर की टीम ने अच्छे तालमेल के साथ खेलते हुए 1 गोल कर टीम को 1-0 से बढ़त बना दी। कुछ ही देर बाद कर्मयोगी की टीम ने भी 1 गोल कर टीम को 1-1 गोल की बराबरी पर ला दिया। दूसरे हाफ में सरगुजा-11 की टीम ने अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए लगातार 2 गोल किए। काफी प्रयास के बाद कर्मयोगी की टीम ने 1 गोल कर अंतर को काम किया, लेकिन मैच समाप्ति पर सरगुजा-11 की टीम 3-2 गोल से जीत कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दूसरा मैच फुटबॉल क्लब जामदोहर विरुद्ध सूरज क्लब तालपारा के मध्य खेला गया।

प्रथम हाफ की शुरुआती क्षणों में ही जामदोहर की टीम ने 1 गोल किया। कुछ ही देर बाद तालपारा की टीम ने लगातार 2 गोल कर अंतर को कम करते हुए टीम को 2-1 गोल से बढ़त बना ली। मैच के दूसरे हाफ में भी तालपारा की टीम ने 1 और गोलकर 3-1 से मैच जीत लिया। रविवार को इस प्रतियोगिता का प्रथम सेमीफाइनल मैच ट्राइबल टाइगर अंबिकापुर विरुद्ध रेलवे करंजी की मध्य 3 बजे से खेला जाएगा।

अंबिकापुर में गुरुकृपा पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट विवाद...प्रिंसिपल पर छात्रों को बंधक बनाकर मारपीट का आरोप,एफआईआर दर्ज

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र स्थित गुरुकृपा पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट एक बड़े विवाद में आ गया है। संस्थान के प्रिंसिपल दीपांकर दत्ता पर छात्रों को बंधक बनाकर मारपीट करने और मोबाइल फोन छीनने का गंभीर आरोप लगा है। पुलिस ने सामाजिक कार्यकर्ताओं की मदद से छात्रों को मुक्त कराया और पीड़ितों की शिकायत पर दत्ता के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। मामला तब शुरू हुआ जब 2020 बैच के छात्रों ने डीएमएलटी कोर्स की परीक्षा दी थी। छात्रों को पहले मध्य प्रदेश के शहडोल ले जाने की बात कही गई थी,लेकिन बाद में उन्हें 200 किलोमीटर दूर नरसिंहपुर भेजा गया। परीक्षा दिए हुए तीन साल से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन आज तक छात्रों को सर्टिफिकेट जारी नहीं किया गया। प्रमाणपत्र न मिलने से नाराज छात्र पिछले कई महीनों से संस्थान का चक्कर काट रहे थे।

पीड़ित छात्रों का कहना है कि बुधवार को तीन छात्र-छात्राएं प्रमाणपत्र की मांग लेकर इंस्टीट्यूट पहुंचे थे। इस दौरान छात्र मुकेश राजवाड़े ने प्रिंसिपल द्वारा दिए जा रहे आश्वासन का वीडियो बनाना शुरू किया। प्रिंसिपल को जब इसकी भनक लगी तो उन्होंने गुस्से में आकर छात्रों को बंधक बना लिया, उनके साथ मारपीट की और मोबाइल फोन छीन लिया। करीब डेढ़ घंटे तक छात्रों को बंधक बनाए रखा गया और जबरन उनके फोन से ऑडियो-वीडियो डिलीट कराया गया। इसके बाद छात्रों ने अपने परिचितों को सूचना दी। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने गांधीनगर थाना प्रभारी प्रदीप जायसवाल को खबर दी और पुलिस मौके पर पहुंची। लगभग 20 मिनट की मशक्कत के बाद छात्रों को मुक्त कराया गया और थाने में उनका बयान दर्ज किया गया। छात्र मुकेश राजवाड़े निवासी तिलसिवा भटगांव जिला सूरजपुर की शिकायत पर गाँधीनगर पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 296, 127 (2), 115 (2) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

फावड़े से जानलेवा हमला करने वाला आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

-संवाददाता-
सूरजपुर,27 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम सरमा में मूर्ति विसर्जन के बाद किराना दुकान पर हुए विवाद ने खतरनाक मोड़ ले लिया, जब रमेश राजवाड़े ने मोहरलाल राजवाड़े के भाई पर फावड़े से जानलेवा हमला कर दिया। बसदेई पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले पर प्राप्त जानकारी अनुसार 20 अगस्त 2025 की रात को ग्राम सरमा के मोहरलाल राजवाड़े ने चौकी बसदेई में शिकायत दर्ज की कि उनके भाई के साथ रमेश राजवाड़े ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी और फावड़े से हमला किया,जिससे उनके भाई के सिर में गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने प्रारंभिक तौर पर धारा 296(बी), 351(3),115(2) के तहत मामला दर्ज किया।

जांच के दौरान डॉक्टरी रिपोर्ट में चोटों को गंभीर बताए जाने पर हत्या के प्रयास की धारा 109 बीएनएस जोड़ी गई।

बसदेई पुलिस ने आरोपी रमेश राजवाड़े को धर दबोचा। पूछताछ में उसने जुर्म कबूल किया और घटना में प्रयुक्त फावड़ा भी पुलिस ने उसकी निशानदेही पर बरामद किया। चौकी प्रभारी योगेंद्र जायसवाल और उनकी टीम की इस कार्रवाई की ग्रामीणों ने सराहना की।

शैला व सुगा नृत्य प्रतियोगिता अब पी जी कॉलेज ऑडिटोरियम में होगी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा सेवा समिति, नागरिक समिति एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विजयादशमी महापर्व 2025 में होने वाले शैला व सुगा नृत्य प्रतियोगिता का स्थान कला केंद्र मैदान से परिवर्तित करते हुए पी जी कॉलेज ऑडिटोरियम में दिनाँक 29 सितंबर को प्रातः 10 बजे से किया गया है। सरगुजा सेवा समिति के महासचिव संजय अग्रवाल ने शैला व सुगा नृत्य प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों से निर्धारित समय पर उपस्थित होने का आग्रह किया है।

CMYK

अन्नपूर्णा पोषण दिवस पर महिलाओं को दिया गया जागरूकता संदेश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

जिले में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके स्वास्थ्य एवं पोषण को मजबूत करने हेतु मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशन में कलेक्टर श्री विलास भोस्कर के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान के तहत महिलाओं को न केवल स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं, बल्कि उन्हें स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है।

अन्नपूर्णा पोषण दिवस का आयोजन : आज अन्नपूर्णा पोषण दिवस का आयोजन मेडिकल कॉलेज अम्बिकापुर के पोषण पुनर्वास केंद्र तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीतापुर में किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्ग की महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुईं। उन्हें स्तनपान,टीकाकरण, जच्चा-बच्चा के पोषण आहार, आयरन और कैल्शियम दवाओं के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

आत्मनिर्भरता की दिशा में स्वास्थ्य और पोषण : सीएमएचओ डॉ. पी. एस. मार्को कहा कि स्वस्थ महिला ही आत्मनिर्भर महिला बन सकती है। यदि महिलाओं को गर्भावस्था से लेकर प्रसव उपरांत तक उचित पोषण,स्वास्थ्य सुविधाएं और परामर्श मिले तो वे न केवल स्वयं को सशक्त बना सकती हैं बल्कि परिवार और समाज को भी मजबूत करती हैं। महिलाओं को सलाह दी गई कि वे नियमित जांच कराएं, संस्थागत प्रसव को प्राथमिकता दें और सभी प्रकार के टीकाकरण व दवाओं का सेवन समय पर करें। इससे मातृ मृत्यु दर और शिशु कुपोषण की समस्या को दूर किया जा सकता है।

पोषण और स्वच्छता की जागरूकता

इस अवसर पर सीएचसी सीतापुर के बीएमओ डॉ. पैंकरा ने महिलाओं को संतुलित आहार, कुपोषण के दुष्परिणाम और उससे बचाव के उपाय बताए। इस अवसर पर महिलाओं में सैनिटरी पैड का वितरण भी किया गया ताकि वे स्वच्छता और स्वास्थ्य को अपनाकर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा सकें। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज अम्बिकापुर में एनआरसी नोडल अधिकारी डॉ. संदीप गुप्ता ने पोषण पुनर्वास केंद्र की सुविधाओं की जानकारी दी और गंभीर कुपोषित बच्चों के उपचार की प्रक्रिया पर कार्यक्रम में शामिल महिलाओं को जागरूक किया। छत्तीसगढ़ शासन की मंशा है कि हर महिला को स्वस्थ, शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाया जाए। शासन के निर्देशानुसार न केवल महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण पर कार्य हो रहा है बल्कि उन्हें कौशल,प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी ठोस पहल हो रही है।

नवरात्रि पर्व नारी शक्ति का प्रतीक

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय अंबिकापुर में आयोजन नारी शक्ति का प्रतीक शारदीय नवरात्र का पावन पर्व के पांचवें दिन का शुभारंभ अध्यक्ष जिला पंचायत-निरुपमा,उनके साथ उपस्थित हीरा सिंह,पूर्व सभापति नगर निगम अंबिकापुर के त्रिलोक कपूर कुशवाहा,पत्रकार सुधीर पांडे उनके साथ आई प्रज्ञा एवं सेवा केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात निरुपमा के द्वारा नवरात्रि पर्व नारी के अलग-अलग शक्तियों का प्रतीक है नारी चाहे तो सब कुछ कर सकती है उनके लिए कुछ भी असंभव नहीं है। हीरा सिंह ने बताया की यह संस्था द्वारा आध्यात्मिक ज्ञान,सत्य ज्ञान अर्थात परमात्मा के अध्ययन द्वारा आत्मा को शक्तिशाली बनाया जाता है। इस उपलक्ष्य पर सुधीर पांडे ने भी बताया की आदिकाल से आज तक जीवन में किसी भी व्यक्ति, समाज, देश की कोई भी सफलता के लिए हमारीआधी आबादी नारी शक्ति पर आधारित है, आर्ट ऑफ लिविंग के संचालक अजय तिवारी ने कहा इस नवरात्रि पर हम सब संकल्प ले की बलि प्रथा बंद हो।

ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी ने भी नवरात्र के पांचवें दिन पर नारी शक्ति की महत्व को स्पष्ट किया की आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा अर्थात् सत्य ज्ञान से नारी अपने अंदर की शक्तियों को जागृत कर दुर्गुणों का विनाश करती है और पूजन व गायन योग्य बनती है। इस दौरान सभी अतिथियों ने झांकी व संस्था द्वारा बने म्यूजियम का अवलोकन किया। या झांकी प्रतिदिन 2 अक्टूबर तक संध्या 6:30 बजे से रात्रि 10:30 बजे तक दर्शनार्थ रहेगी।

मुख्यमंत्री की पहल पर शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़े शाला त्यागी बच्चे

पहाड़ी कोरवा बाहुल्य क्षेत्र के पांच बच्चों को आश्रम एवं स्कूल में कराया गया एडमिशन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य क्षेत्र के शाला त्यागी बच्चों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की मुहिम चलाई जा रही है। इसके तहत मैनपाट विकासखण्ड के कोरता ग्राम पंचायत के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समाज के 5 बच्चों का विद्यालय एवं आश्रम में प्रवेश कराया गया। कलेक्टर श्री विलास भोसकर के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान अंतर्गत बच्चों को पुस्तकें,स्कूल ड्रेस और अन्य अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई। पहाड़ी कोरवा बसाहट क्षेत्र में भ्रमण के दौरान यह देखा गया कि पहाड़ी कोरवा बच्चे अधिकारियों को देख दूर भागते थे। उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ने प्रशासन निरंतर टीम बनाकर सर्वे कर रही है। बच्चों के अभिभावकों को भी समझाइश दी जा रही है। अभिभावक अधिकारियों के समझाइश को मानकर बच्चों को स्कूल भेजने तैयार हो रहे हैं। अध्ययन सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे पर उत्साह और मुस्कान छा गई। बच्चों ने कहा कि अब वे स्कूल छोड़कर कभी नहीं जाएंगे और नियमित रूप से पढ़ाई करेंगे। मुहिम अंतर्गत कुमारी राखि को कक्षा चौथी, कु. कुमारी को कक्षा चौथ, कुमारी सुमारी को कक्षा चौथी, कुमारी रवीना को कक्षा चौथी, कुमारी सुमंती को कक्षा चौथी शाला प्रवेश कराया गया। बच्चों के अभिभावकों को शिक्षा की महत्ता बताते हुए उन्हें प्रेरित किया कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने भविष्य को संवारने की सलाह दी गई। शाला त्यागी बच्चों का पुनः नामांकन जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के समन्वित प्रयास का हिस्सा है। इसके लिए विकासखण्ड स्तर पर समितियों का गठन कर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने जिला शिक्षा अधिकारी श्री दिनेश झा को ऐसे मामलों की सतत मॉनिटरिंग करने और अभिभावकों को लगातार जागरूक करने के निर्देश दिए हैं।

यह पहल न केवल शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में ठोस कदम है,बल्कि विशेषकर पिछड़ी जनजातियों के बच्चों को शिक्षा से जोड़कर उनके उज्ज्वल भविष्य की राह भी प्रशस्त करेगी।

सेवा पर्व कार्यक्रम में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के हितग्राहियों को किया गया सम्मानित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सेवा पर्व कार्यक्रम अंतर्गत राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय,अजिरमा के सभागार में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर डिस्ट्रीब्युशन कंपनी लिमिटेड, अम्बिकापुर द्वारा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना पर आधारित विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के अधिष्ठाता श्री एस. के. सिन्हा ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य श्रीमति पायल विश्वविजय सिंह तोमर उपस्थित रहीं। इस अवसर पर अम्बिकापुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री यशवंत सिलेदार ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत पर सौर संयंत्र लगाने में होने वाली लागत का बड़ा हिस्सा केंद्र और राज्य सरकार सब्सिडी के रूप में वहन कर रही है। साथ ही बैंक द्वारा आसान किस्तों में ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने मंच से नागरिकों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित करें और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में योगदान दें। कार्यक्रम में योजना का लाभ ले रहे हितग्राहियों को मुख्य अतिथि श्रीमती पायल विश्वविजय सिंह तोमर के हाथों प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। हितग्राहियों ने मंच से अपने अनुभव साझा किए और बताया कि योजना से न केवल बिजली बिल में कमी आई है बल्कि अतिरिक्त बिजली बेचकर आय भी हो रही है। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री यशवंत सिलेदार मुख्य अभियंता अम्बिकापुर क्षेत्र, श्री आवेदन कुजूर अति. मुख्य अभियंता, श्री के. एन. सिंह अधीक्षण अभियंत अम्बिकापुर, श्री राजेश लकड़ अधीक्षण अभियंता बैकुण्ठपुर, श्र एस. पी. कुमार अधीक्षण अभियंत कुनकुरी, श्री रोशन नागवंश कार्यपालन अभियंता अम्बिकापु ग्रामीण, श्री आर. पी. राजवाड़े कार्यपालन अभियंता अम्बिकापु शहर, श्री राजेश कुमा जायसवाल सहायक यंत्री अम्बिकापुर ग्रामीण,श्री लोकेश नामदेव सहायक यंत्री लखनपुर श्री अक्षय कुमार सहायक यंत्री उदयपुर, श्री प्रमोद कुमार सेट श्री विराजमान एक्का,श्री रघुवंश साहू, श्री गणेश जायसवाल श्रीमति स्नेहा टोप्पो,सुश्री पुनमरानी राजवाड़े कनिष्ठ यंत्री सहित अनेक अधिकारी-कर्मचारी सक्रिय रूप से जुड़े रहे। वहीं मंच संचालन का कार्य श्री यतिन्द्र गुप्त द्वारा किया गया।

पेंशन योजनाओं हेतु विशेष शिविर,हितग्राहियों ने लिया लाभ

-संवाददाता-
अंबिकापुर,27 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सेवा पखवाड़ा 2025 के तहत समाज कल्याण विभाग द्वारा आज जिले में पेंशन योजनाओं से संबंधित विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। ये शिविर नगर पालिक निगम अम्बिकापुर, जनपद पंचायत लखनपुर और जनपद पंचायत लुंड्रा में एक साथ लगाए गए, जिनमें बड़ी संख्या में पेंशनधारी हितग्राही उपस्थित रहे। शिविरों में सामाजिक सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत आधार सीडिंग, मोबाइल नंबर अपडेट, मृत हितग्राहियों का NSAP पोर्टल से नाम हटाना तथा डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट का सत्यापन जैसी प्रक्रियाएं की गईं। अधिकारियों ने बताया कि इन कार्यों से पेंशन वितरण प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी एवं सुगम बनेगी। पेंशनधारियों ने शिविरों में पहुंचकर अपने जरूरी दस्तावेज जमा किए और कई लोगों ने मौके पर ही आधार व मोबाइल नंबर

को लिंक कराया। जिन हितग्राहियों की मृत्यु हो चुकी है, उनके नाम हटाने की प्रक्रिया भी पोर्टल पर पूरी की गई, जिससे वास्तविक पात्रों को योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। जनपद पंचायत लखनपुर व लुंड्रा तथा नगर पालिक निगम अम्बिकापुर में लगे शिविरों में सैकड़ों हितग्राही पहुंचे और उन्होंने सरकार की इस पहल को सराहा। विभागीय अधिकारियों ने कहा कि पेंशन योजनाओं में तकनीकी सुधार और समयबद्ध सत्यापन से न केवल अनियमितताओं पर रोक लगेगी बल्कि लाभ समय पर सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंचेगा।

अंतर्राष्ट्रीय समाचार

इस्राइली हमलों में गाजा में कम से कम 38 लोगों की मौत

युद्धविराम की मांगों को नेतन्याहू ने किया नजरअंदाज

गाजा,27 सितम्बर 2025। इस्राइल द्वारा गाजा में बीती रात किए गए हवाई हमलों में कम से कम 38 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि भले ही इस्राइल पर युद्धविराम को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हमले जारी रखने पर अड़े हुए हैं। शनिवार तड़के मध्य और उत्तरी गाजा में हुए हमलों में कई लोग अपने घरों में मारे गए। इनमें नुसेरात शरणार्थी शिविर में एक ही परिवार के नौ सदस्य शामिल थे। उनके शव अल-अवदा अस्पताल लाए गए हैं। शनिवार सुबह गाजा सिटी के तुफाह इलाके में एक घर पर किए गए हमले में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। जिनमें आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे थे। शरणार्थी शिविर में हुए एक और हवाई हमले में चार और लोगों की मौत हुई।

अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र ढहने की कगार पर

गाजा सिटी के अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र ढहने की कगार पर हैं। लगभग दो हफ्ते से जारी हमलों में दो क्लिनिक पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं। दो अस्पताल क्षतिग्रस्त होकर बंद हो गए और बाकी अस्पताल दवाओं, उपकरणों,भोजन और ईंधन की कमी से जूझ रहे हैं। कई डॉक्टरों और नर्सों को अस्पताल छोड़ना पड़ा है। जिससे केवल कुछ ही लोग गंभीर मरीजों और बच्चों की देखभाल कर पा रहे हैं।

नेतन्याहू जब भाषण देने आए तो कई देशों के प्रतिनिधि चले गए

ये हमले को संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा विश्व नेताओं से यह कहने के कुछ घंटों बाद हुए कि उनके देश को गाजा में हमास के खिलाफ काम पूरा करना होगा। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा में जब नेतन्याहू भाषण देने आए तो कई देशों के प्रतिनिधि हॉल से बाहर चले गए थे। नेतन्याहू ने पश्चिम-एशिया की स्थिति पर अपने भाषण की शुरुआत की ही थी कि हॉल में कुछ देशों के प्रतिनिधी बाहर जाने का निर्णय लिया। भाषण के दौरान हॉल में समझ न आने वाले नारे भी गूंजे, नेतन्याहू का समर्थन करते वाला अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल वहां मौजूद रहा। वहीं, कुछ हिस्सों में नेतन्याहू के भाषण की शुरुआत पर तालियां भी गूंजीं।

डॉक्टर्स विदआउट बॉर्डर्स : 'डॉक्टर्स विदआउट बॉर्डर्स' ने गाजा सिटी में अपनी सेवाएं निलंबित कर दीं। संगठन ने बताया कि इस्राइली टैंक उनके स्वास्थ्य केंद्रों से आधा मील दूर तक पहुंच गए हैं और उनके कर्मचारियों की सुरक्षा पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है। उत्तरी गाजा में खाद्य संकट की स्थिति और बिगड़ गया है। इस्राइल ने 12 सितंबर से यहां राहत सामग्री की आपूर्ति रोक दी थी और संयुक्त राष्ट्र की बार-बार की गई अपीलों को भी खारिज कर दिया था। गाजा प्रशासन की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस्राइली हमलों में अब तक 65,000 से अधिक लोग मारे गए और 1,67,000 से अधिक घायल हुए हैं। मंत्रालय कहता है कि मृतकों में लगभग आधे महिलाएं और बच्चे हैं।

कुछ प्रतिनिधियों ने तालियों से किया स्वागत

नेतन्याहू ने अपने भाषण के दौरान अभिशाप शीर्षक वाला एक क्षेत्रीय मानचित्र भी दिखाया और उस पर निशान लगाकर अपनी बात को रेखांकित किया। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा में जब नेतन्याहू भाषण देने आए तो कई देशों के प्रतिनिधि हॉल से बाहर चले गए। नेतन्याहू ने पश्चिम-एशिया की स्थिति पर अपने भाषण की शुरुआत की ही थी कि हॉल में कुछ देशों के प्रतिनिधियों ने बाहर जाने का निर्णय लिया। भाषण के दौरान हॉल में समझ न आने वाले नारे भी गूंजे,नेतन्याहू का समर्थन करने वाला अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल वहां मौजूद रहा। वहीं, कुछ हिस्सों में नेतन्याहू के भाषण की शुरुआत पर तालियां भी गूंजीं। नेतन्याहू ने अपने भाषण के दौरान अभिशाप शीर्षक वाला एक क्षेत्रीय मानचित्र भी दिखाया और उस पर निशान लगाकर अपनी बात को रेखांकित किया।

अमेरिकी टैरिफ को लेकर ब्रिक्स देश चिंतित,वैश्विक आर्थिक विकास और व्यापार प्रभावित होने का खतरा : जयशंकर

न्यूयॉर्क,27 सितम्बर 2025। अमेरिकी टैरिफ और व्यापार पर लग रहे प्रतिबंधों पर ब्रिक्स देशों ने चिंता जाहिर की है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा से अलग हुई ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में कहा गया कि अमेरिकी टैरिफ जैसी नीतियों से वैश्विक सप्लाई चेन बाधित हो सकती है। इसके अलावा वैश्विक आर्थिक विकास और व्यापार प्रभावित होने का खतरा बढ़ रहा है। ब्रिक्स देशों की बैठक की अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने की। बैठक के बाद जारी की गई संयुक्त विज्ञप्ति में कहा गया कि टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों में बढ़ोतरी से वैश्विक व्यापार में और कमी आने, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधा उत्पन्न होने और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक-व्यापारिक गतिविधियों में अनिश्चितता उत्पन्न होने का खतरा है। इससे आर्थिक असमानता बढ़ सकती हैं। साथ ही वैश्विक आर्थिक विकास की संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं।

ब्रिक्स देश ब्राजील, रूस, भारत,चीन,दक्षिण अफ्रीका,मिस्र, इथियोपिया,इंडोनेशिया,ईरान और संयुक्त अरब अमीरात ने एकतरफा टैरिफ पर गंभीर चिंता व्यक्त की। सभी ने कहा कि यह वैश्विक व्यापार संगठन के नियमों के खिलाफ हैं। ऐसी चीजें ठीक नहीं हैं। इससे वैश्विक दक्षिण के हाशिए पर जाने का भी खतरा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि बढ़ते संरक्षणवाद,टैरिफ अस्थिरता और गैर-टैरिफ बाधाओं के कारण व्यापार प्रभावित हो रहा है। ब्रिक्स को बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की रक्षा करनी चाहिए। जब बहुपक्षीय व्यवस्था दबाव में है,तब ब्रिक्स को मजबूती से खड़ा रहना होगा। एक अशांत दुनिया में ब्रिक्स को शांति, संवाद,कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन का संदेश देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स को संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंगों विशेषकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए अपने सामूहिक आह्वान को और मजबूत करना चाहिए। ब्रिक्स सहयोग के अगले चरण की रूपरेखा प्रौद्योगिकी और नवाचार पर आधारित होगी। ब्रिक्स में भारत की अध्यक्षता खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा जलवायु परिवर्तन तथा डिजिटल परिवर्तन, स्टार्टअप, नवाचार और मजबूत विकास साझेदारी के माध्यम से सतत विकास पर केंद्रित होगी। ब्रिक्स मंत्रियों ने 2026 में भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता और भारत में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए अपना पूर्ण समर्थन भी व्यक्त किया। मंत्रियों ने कहा कि वे 2026 में भारत में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की अलग बैठक की भी प्रतीक्षा कर रहे हैं। मंत्रियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने आतंकवादियों की सीमा पार आवाजाही,आतंकवाद के वित्तपोषण और सुरक्षित ठिकानों सहित सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी सूरजपुर द्वारा राष्ट्रीय स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का हीरालाल साधुराम सेवा कुंज में किया गया आयोजन

यह रहे उपस्थित...

इस दौरान ब्लड बैंक प्रभारी डॉ आजाद भगत,डॉ मनोज साहू,डॉ अनीश खलखो,डॉ जग बंधन सिंह,डॉ कुलदीप द्विवेदी,डॉ सुशांत विश्वाश,डॉ जयराम साहू,सुखदेव पाव, श्रीमती आरती सपना तिर्की, शिव कुमारी, पी खीष्ट तिर्की, दिनेश राजवाड़े, मनोज लहरे, रामशरण सिरदार, रामलाल राजवाड़े, ज्योति सिंह, अशोक सिंह, संतोष साहू, अंजलि साहू, मीना पैकरा, फिलिप्स टोप्पो, विंदेश गुप्ता, रवि सिंह, गणेश्वर सिंह, दिलेश्वर, सरोज कुमार, शेषनारायण, इमरान खान,लक्षण धारी सिंह, सी के महेश्वरी। मंच का सफल संचालन आरएचओ सुरेश गुप्ता तो वहीं आभार प्रदर्शन संदीप गुप्ता जिला संगठक रेड क्रॉस के द्वारा किया गया। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी टीम, मदर टेरेसा नर्सिंग कॉलेज, इंस्टिट्यूट ऑफ़ नर्सिंग रिसर्च सेंटर एंड कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज सूरजपुर, पार्वती नर्सिंग कॉलेज, एनसीसी, स्काउट एंड गाइड्स, रक्षित निरीक्षक केंद्र पुलिस लाइन प्ररी, पुलिस विभाग, यातायात विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सूरजपुर सहित विभिन्न सेवाभावी सामाजिक संगठनो के सम्माननीय जन बढ़ चढ़कर सक्रिय रहे।

-जिला प्रतिनिधि-

सूरजपुर,27 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

सेवा पखवाडा के तारतम्य में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी सूरजपुर द्वारा आज राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन हीरालाल साधुराम सेवा कुंज मे किया गया। आज के रक्तदान कार्यक्रम में प्रेमनगर विधायक भुलन सिंह मरावी ने अपने उद्बोधन में कहा कि रक्तदान मानव सेवा का सर्वोत्तम स्वरूप है। इससे असंख्य लोगों को जीवनदान प्राप्त होता है। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं और नागरिकों की भागीदारी समाज की जागरूकता और संवेदनशीलता को दर्शाती है। उन्होंने उपस्थित रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नियमित रक्तदान की परंपरा स्थापित करना समय की आवश्यकता है। जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ने कहा कि रेडक्रॉस की मूल पहचान सेवा और सहयोग है। रक्तदान अभियान इस संगठन की जनहितकारी गतिविधियों की श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए, क्योंकि यह किसी भी पीड़ित के लिए जीवन का संबल बन सकता है। कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने कहा कि रक्त की उपलब्धता स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। आपातकालीन परिस्थितियों में रक्तदान ही जीवन रक्षक की भूमिका निभाता है। उन्होंने रेडक्रॉस द्वारा आयोजित इस शिविर की सराहना करते हुए कहा कि जिला प्रशासन हर स्तर पर ऐसे जनकल्याणकारी प्रयासों को प्रोत्साहित करता रहेगा। रेडक्रॉस सोसायटी के उपाध्यक्ष ओमकार पांडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह अभियान न केवल मानवता के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक है बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश देने का भी माध्यम है। रक्तदान से एक ओर जहां जरूरतमंदों को जीवन मिलता है, वहीं दूसरी ओर यह दाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी सिद्ध होता है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। अंतिम प्राप्त जानकारी के अनुसार 35 लोगों द्वारा रक्तदान किया गया। इसके साथ ही कलेक्टर एस.जयवर्धन एवं डीएफओ पंकज कमल द्वारा भी रक्तदान किया गया।

एक बूंद रक्त, एक नया जीवन

रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन बाबूलाल अग्रवाल ने कहा, रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं। आज के इस आयोजन में शहरवासियों का उत्साह देखकर मन गदगद है। यह रक्त किसी माँ को उसका बच्चा, किसी बच्चे को उसका माता-पिता, या किसी परिवार को उनका अपनापन लौटा सकता है।उनकी बातों में मानवीय संवेदना की गहराई साफ झलक रही थी।

सेवा पखवाड़े का उद्देश्य भौतिक धरातल पर होता साकार

प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा, सूरजपुर के लोग न केवल मेहनती हैं, बल्कि उनके दिल में सेवा का जज्बा भी है। यह शिविर समाज के लिए एक प्रेरणा है। कलेक्टर एस. जयवर्धने ने भी इस आयोजन को सामाजिक एकजुटता का प्रतीक बताया और कहा कि ऐसे प्रयासों से समाज में सकारात्मक बदलाव आता है।

टीम वर्क की जीत

रेडक्रॉस सोसाइटी की पूरी टीम ने दिनभर अथक मेहनत कर शिविर को सफल बनाया। मेडिकल स्टाफ ने रक्तदाताओं की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा। वाइस चेयरमैन ओंकार पांडे ने बताया कि इस रक्त से न केवल सूरजपुर, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के अस्पतालों में जरूरतमंद मरीजों को मदद मिलेगी। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने कहा कि रक्त की उपलब्धता स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। आपातकालीन परिस्थितियों में रक्तदान ही जीवन रक्षक की भूमिका निभाता है। उन्होंने रेडक्रॉस द्वारा आयोजित इस शिविर की सराहना करते हुए कहा कि जिला प्रशासन हर स्तर पर ऐसे जनकल्याणकारी प्रयासों को प्रोत्साहित करता रहेगा।

रक्तदान महादान-सेवा पखवाड़ा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर जरूरतमंदों के लिए बनी जीवनरेखा

शहर के साधुराम सेवाकुंज में शुक्रवार को सेवा पखवाड़ा के तहत रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा आयोजित मेगा रक्तदान शिविर ने मानवता की मिसाल कायम की। इस शिविर में बड़ी संख्या में रक्त संग्रहित किया गया,जो जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित होगा। जिला कलेक्टर एस जयवर्धन व रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन बाबूलाल अग्रवाल के नेतृत्व और वाइस चेयरमैन ओंकार पांडे व कोषाध्यक्ष श्रवण जैन के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में शहरवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया,जिससे सेवा और समर्पण की भावना झलक उठी। शिविर में प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर प्रसाद राजवाड़े,कलेक्टर एस. जयवर्धने और उप पुलिस महा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आईपीएस प्रशांत ठाकुर,वनमंडल अधिकारी पंकज कमल, जनपद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े, भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, जिला पंचायत सदस्य लोकेश पैकरा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कपिल देव पैकरा, पूर्व चेयरमैन रामकृष्ण ओझा, जिला सदस्य संदीप अग्रवाल, जिला सदस्य श्री अजय अग्रवाल (अज्जू),जिला सदस्य राजीव प्रताप सिंह,जिला सदस्य मनोज अग्रवाल (पिंटू),जिला सदस्य नीरज तायल, थलेश्वर साहू पूर्व नपा अध्यक्ष, कृष्ण कुमार गोयल(बल्लू) पूर्व मनोनीत अध्यक्ष नगर पंचायत शिवनंदनपुर, भाजपा जिला महामंत्री शशिकांत गर्ग,अशोक सिंह, संत सिंह,राजेश्वर तिवारी, डॉ एच एन चतुर्वेदी,अरविंद मिश्रा,विजय राजवाड़े, सत्यनारायण पैकरा सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने आयोजन को और गरिमामय बनाया। सुबह से ही लोग रक्तदान के लिए उत्साह के साथ पहुंचे। युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक,हर वर्ग ने इस पुण्य कार्य में हिस्सा लिया, मानो हर बूंद रक्त के साथ एक नया जीवन संदेश दे रही हो। यह शिविर न केवल रक्त संग्रह का एक आयोजन था, बल्कि समाज में मानवीय संवेदनाओं को जागृत करने का एक मंच भी बना। वहीं दूसरी तरफ रेडक्रॉस सोसाइटी ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखने का संकल्प लिया है, ताकि हर जरूरतमंद तक जीवन की यह डोर पहुंच सके। इसके साथ ही इस आयोजन ने आज एक बार फिर साबित कर दिया कि जब बात दिल से दिल तक जाती है, तो रक्त की हर बूंद एक नई जिंदगी की कहानी लिखती है।

प्राथ. शाला. उरान्वपारा मे स्वच्छता पखवाड़े मे किया गया विभिन्न आयोजन

प्रधान पाठक संजय साहू ने सात स्टेप मे हाथ धोना सिखाया

-संवाददाता-

सूरजपुर,27 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार और कलेक्टर एस जयवर्धन एवं जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन मे प्राथमिक शाला उरान्वपारा मदनेश्वरपुर मे स्वच्छता पखवाड़े मे इस पुरे सप्ताह अलग अलग दिन दिए गये थीम के अनुसार कार्यक्रम कराया गया, जिसमे प्रधान पाठक द्वारा बच्चों को सात स्टेप मे हाथ धोकर बताया गया और सभी बच्चों को हाथ धुलाया गया। इससे बच्चों मे खाना खाने से पूर्व और शौचालय से आने के बाद कैसे हाथ को धोकर खुद को स्वच्छ और साफ रखना है, इसकी कार्यकुशलता का विकास होगा । स्वच्छता ही स्वास्थ्य कि कुंजी है। विद्यालय मे बच्चों द्वारा शिक्षिका अनीमा बेक के मार्गदर्शन मे स्वच्छता कि थीम पर चित्रकला के माध्यम से पोस्टर तैयार कराये गए और अपने घरों ने स्वच्छता के प्रति सभी को जागरूक करने का संकल्प दिलाया गया। शिक्षिका शोभारानी द्वारा बच्चों से स्वच्छता पर स्लोगन तैयार कराया जिसमे बच्चों ने अपने ही प्रकार से नये नये स्लोगन लिखने का प्रयास किया। बैगलेस डे पर बच्चों से पुरे स्वच्छता पखवाड़े पर हुवे कार्यक्रम के बारे मे निबंध लिखने और भाषण प्रतियोगिता कराया गया जिसमे बच्चों ने पुरे पखवाड़े मे जो कुछ सीखा उसी को बताया। इस दौरान बच्चों मे एक नया और अलग ही जूनून देखने को मिला। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक रामकृपाल साहू द्वारा किया गया।

ग्राम पंचायत कसलगिरी में वित्तीय समावेशन शिविर का आयोजन

-संवाददाता-

सूरजपुर,27 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

वित्तीय समावेशन योजनाओं की संतृप्ति हेतु चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत, कसलगिरी ग्राम पंचायत में एक मेगा संतृप्ति शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया,स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक एवं अन्य बैंकों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

शिविर में संबंधित खातों की पुनः केवाईसी प्रक्रिया संपन्न की गई। इस अवसर पर भारतीय रिज़र्व बैंक,रायपुर की क्षेत्रीय निदेशक श्रीमती रीनी अजित ने शिविर का दौरा किया और प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्थानीय निवासियों, व्यापार प्रतिनिधियों एवं बैंक अधिकारियों से संवाद किया तथा बकाया खातों के केवाईसी विवरणों के पुनः सत्यापन के महत्व पर बल दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को शिविर का लाभ उठाकर अपने खातों की केवाईसी पूर्ण करने हेतु प्रोत्साहित किया,जिससे उन्हें बैंकिंग सेवाओं का निर्बाध लाभ प्राप्त हो सके। शिविर के दौरान उपस्थित नागरिकों को भारतीय रिज़र्व बैंक की एकीकृत लोकपाल योजना 2021 एवं दावा न की गई जमा राशियों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही, डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव हेतु अपनाई जाने वाली सुरक्षित आदतों एवं म्यूल खातों के बारे में भी जागरूक किया गया। शिविर के प्रारंभ में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के अंचल प्रमुख श्री बी. आर. रामकृष्ण नायक ने क्षेत्रीय निदेशक का स्वागत करते हुए री-केवाईसी प्रक्रिया एवं अन्य बैंकिंग उत्पादों की संक्षिप्त जानकारी दी। मंच पर भारतीय रिज़र्व बैंक के सहायक महाप्रबंधक श्री दीपेश तिवारी,सेंट्रल बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री रणधीर सिंह, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक,कसलगिरी एवं जुड़वानी के सरपंचगण,तथा विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित थे,जिन्होंने निवासियों को पुनः केवाईसी प्रक्रिया में सहायता प्रदान की। इस शिविर में कसलगिरी, जुड़वानी, बिरपूर,कारवां सिलफिली एवं लटोरी ग्राम पंचायतों सहित आसपास के क्षेत्रों के निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रजत जयंती महोत्सव एवं सेवा पखवाड़ा दिवस पर दिव्यांगजन स्वास्थ्य परीक्षण एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर सम्पन्न

-संवाददाता-

सूरजपुर,27 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

रजत जयंती महोत्सव एवं सेवा पखवाड़ा दिवस के अवसर पर आज शनिवार को जनपद पंचायत सूरजपुर के साधु राम सेवा कुंज में दिव्यांगजन एवं वृद्धजनों हेतु विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला अस्पताल से मेडिकल बोर्ड तथा पीपीआरसी रायपुर के विशेषज्ञों द्वारा दिव्यांगजनों की जांच की गई। इस दौरान 7 कृत्रिम अंगों का मापन, 39 मेडिकल प्रमाण पत्र जारी किए गए तथा कुल 89 पंजीयन सम्पन्न हुए। कार्यक्रम में जनपद पंचायत सूरजपुर की अध्यक्ष माननीय श्रीमती स्वाति सिंह,अन्य जनप्रतिनिधि,अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर में दिव्यांगजनों और वृद्धजनों को 17 सहायक उपकरण वितरित किए गए, जिनमें 4 ट्रायसायकल,3 व्हीलचेयर,3 श्रवण यंत्र एवं 7 छड़ियां शामिल हैं।

2 से सभी ग्राम पंचायतों में होंगी ग्राम सभाएं

-संवाददाता-

सूरजपुर,27 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

पंचायत संचालनालय,छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने जिले की सभी ग्राम पंचायतों एवं उनके आश्रित ग्रामों में 2 अक्टूबर 2025 से ग्राम सभाओं के आयोजन के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार, छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 129 (ख) (3) के तहत ग्राम सभा में गणपूर्ति सुनिश्चित करना एवं सदस्यों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करवाने की जिम्मेदारी संबंधित सरपंच, पंच एवं सचिव की होगी।

धरती आबा योजना अंतर्गत किया गया ट्रांजैक्ट वॉक एवं विलेज एक्शन प्लान पर चर्चा

-संवाददाता-

सूरजपुर,27 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

आबा योजना अंतर्गत आदिकर्म योगी अभियान के तहत विकासखंड प्रतापपुर के ग्राम शिवपुर में कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने भारत सरकार के पर्यवेक्षक दल, आदिम जाति कल्याण विभाग,पंचायत एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणजनों के साथ ट्रांजैक्ट वॉक किया। इस दौरान ग्राम के समग्र विकास हेतु आवश्यक कार्यों का चयन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रभारी अधिकारी प्रमोद कुमार के साथ विलेज एक्शन प्लान पर विस्तृत चर्चा की । उल्लेखनीय है कि आदि सेवा पर्व अभियान के माध्यम से आदिवासी समुदायों को सरकारी योजनाओं से सीधे जोड़कर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। इस अवसर पर ग्रामीणजनों ने भी अपनी आवश्यकताओं एवं सुझावों को साझा किया।

कटघोरा गोलीकांड के मुख्य साजिशकर्ता सहित एक अन्य सहयोगी गिरफ्तार

-संवाददाता-

कोरबा,27 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरबा जिलान्तर्गत कटघोरा तहसील के ग्राम कसनिया में हुई फायरिंग की घटना में पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। बताया जा रहा हैं की गोलीकांड के मुख्य साजिशकर्ता शक्ति सिंह को पुलिस ने रायपुर से गिरफ्तार किया है। शक्ति सिंह पर आरोप है कि उसने यूपी से शूटर को 10 हजार रुपये में बुलवाकर कसनिया क्षेत्र में सिकंदर मेमन के घर पर फायरिंग करवाई थी। शक्ति सिंह बीजेपी कोसाबाड़ी की कार्यकारिणी में महामंत्री भी हैं। इस कार्रवाई को क्राइम ब्रांच/साइबर और कटघोरा पुलिस की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया हैं। पुलिस अब उससे पूछताछ कर रही है और माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में कई अहम खुलासे हो सकते हैं। प्रकरण में पुलिस ने पहले ही कुछ कथित आरोपियों को हिरासत में लिया था, जिसमे कथित आरोपियों को भागने में सहयोग करने वाला शख्स भी शमिल था,तो वही अब इस गिरफ्तारी के पश्चात इनकी संख्या पांच हो गई है। इससे पहले पुलिस ने यूपी निवासी शूटर सहित कोरबा निवासी 3 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया था। उक्त घटित घटना विगत दिनों कटघोरा थाना क्षेत्र के ग्राम कसनिया की है, जहां बाइक सवार दो हमलावरों ने सिकंदर मेमन के घर और दुकान पर दो राउंड फायरिंग की थी। घटनास्थल से एक खाली कारतूस बरामद किया गया था। मकान मालिक ने बताया कि घटना के समय वह घर के अंदर था । गोली की आवाज सुनकर वे घबरा गए। उनकी बहन और पिता दरवाजे के पास खड़े थे। एक गोली दुकान के शटर पर तो दूसरी मुख्य दरवाजे पर लगी। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इस फायरिंग की सुपारी मात्र 10,000 रुपये में दी गई थी। पहले योजना थी कि पीड़ित के पैर में गोली मारी जाए, लेकिन बाद में पूरा कांट्रैक्ट घर पर फायरिंग करने के लिए बदल दिया गया,इसके लिए एक शूटर को उत्तरप्रदेश से बुलाया गया था। इस मामले में पुलिस ने पहले ही कई कथित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। अब मुख्य साजिशकर्ता की गिरफ्तारी से मामले की जड़ तक पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन दिवस

-संवाददाता-

सूरजपुर, 27 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

कन्या महाविद्यालय सूरजपुर के प्राचार्य श्री बृजलाल साहू के निर्देशन में महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन दिवस मनाया गया। भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष श्री संदीप कुमार सोनी,सहायक प्राध्यापक-भूगोल द्वारा पीपीटी के माध्यम से पर्यटन की अवधारणा को समझाया गया साथ ही वैश्विक पर्यटन को एक उद्योग के रूप विस्तार से बताकर पर्यटन के विभिन्न प्रकारों को छात्राओं के बीच साझा किया गया। व्याख्यान के पश्चात् छात्राओं ने सतत् पर्यटन विषय पर अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राएं एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्य एवं ईआई का प्रावधान हेतु निविदा सूचना

निविदा संख्या–749-ST-CON-R-EI-DURG दिनांक: 24.09.2025.
कार्य का नाम : दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर डिवीजन में दुर्ग–दुर्ग लिंक ब्लॉक स्टेशन रेलवे स्टेशनों के बीच चौथी लाइन के निर्माण के संबंध में सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्य और रायपुर डिवीजन के दुर्ग लिंक ब्लॉक स्टेशन के एकीकरण के साथ दुर्ग स्टेशन के वितरित ईआई का प्रावधान।
अनुमानित लागत: ₹ 36,32,13,371.50/- (छत्तीस करोड़ बत्तीस लाख तेरह हजार तीन सौ इकहत्तर और पचास पैसे मात्र)।।
प्रतिभूति राशि: ₹ 19,66,100/- (उन्नीस लाख छियासठ हजार एक सौ मात्र)।।
निविदा बंद होने की तिथि: 20.10.2025 को 15.00 बजे तक।
अधिक जानकारी/पात्रता, मानदंड और उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण के लिए, कृपया उप–मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण, एस.ई.सी. रेलवे, रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें या हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध निविदा दस्तावेज देखें/डाउनलोड करें।
उप मुख्य संकेत एवं दूर. अभि./निर्माण
सीपीआर/10/350 द.पू.म. रेलवे, रायपुर
South East Central Railway @secrail
Ro.No. - 53837

लक्ष्मी राजवाड़े कैबिनेट मंत्री जिस वैकल्पिक पुलिया का निरीक्षण करने पहुंची थीं

वह पूरा भी नहीं हुआ और बह गया

जनता की फिर टूटी उम्मीद

निरीक्षण जिम्मेदारी नहीं सिर्फ औपचारिकता बन गई है?

जन सहयोग से जब वैकल्पिक मार्ग बनाने लोग जुटे तब एंट्री हुई मंत्री पति की और फिर उसके बाद मंत्री की,फिर भी वैकल्पिक मार्ग नहीं बना

आखिर मंत्री महोदया ने किस विभाग को जिम्मा वैकल्पिक मार्ग बनाने का सौंपा था कि वह विभाग जिम्मेदारी पूरी भी नहीं कर पाया और वैकल्पिक मार्ग,आधा मेहनत भी पानी में बह गया...

-जिला प्रतिनिधि-

सूरजपुर,27 सितंबर 2025 (घटती-घटना)। दैनिक घटती-घटना में प्रकाशित खबर के बाद मंत्री स्वयं वैकल्पिक मार्ग पर बन रहे रपटा पुल का निरीक्षण करने पहुंची थीं पर उनके निरीक्षण के 15 दिन बाद भी वह पूल तैयार नहीं हुआ और जितना तैयार हुआ था वह भी बह गया, किस इंजीनियर की देखरेख में यह बन रहा था यह भी एक बड़ा सवाल है,क्या इंजीनियर आज तक कभी विकल्प मार्ग के लिए पुल नहीं बनवाया है या फिर उन्हें इंजीनियरिंग आती ही नहीं थी? आधा पुल बनाकर छोड़ दिया और पानी नदी का कैसे निकलेगा उसकी व्यवस्था नहीं कि किया उसने, अंततः बारिश के अधिक बहाव के कारण पानी ने उस पुल को खुद के साथ बहा ले जाया गया,पुल के जहां बहने से लोगों की उम्मीद टूटी तो वही मंत्री के निरीक्षण पर भी सवाल उठ गया। ज्ञात होगी दैनिक घटती-घटना की खबर का असर फिर एक बार देखने को मिला था,मंत्री की जगह मंत्री पति जो मंत्री के प्रतिनिधि भी हैं और उनकी घोषणा शीर्षक के साथ प्रकाशित खबर पर संज्ञान लेते हुए प्रदेश की महिला बाल विकास विभाग की मंत्री एवं भटगांव विधानसभा की विधायक लक्ष्मी राजवाड़े ग्राम गंगोटी,शिव प्रसादनगर सहित कई अन्य ग्रामों को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने वाले पुल के टूट जाने के दो महीने बाद पहली बार मौके पर पहुंची जहां उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात की और वैकल्पिक मार्ग निर्माण की प्रगति की जानकारी ली थी वह प्रगति बह गई अब।

1 महीने मे भी नहीं बन पाया छोटा सा रपटा पुल

रपटा पुल निर्माण की घोषणा मंत्री प्रतिनिधि उनके पति ने की तदोपरान्त मंत्री खुद पहुंची और रपटा पुल निर्माण का जायजा लिया। मंत्री के निर्देश और रपटा पुल निर्माण का आरंभ अभी हुआ ही था एक माह ही बीते थे कि रपटा पुल धराशाई हो गया।अब ग्रामीणों को चिंता इस बात की है कि उन्हें अब लंबे समय था 20 किलोमीटर अतिरिक्त सफर करना होगा और यदि रपटा पुल बन जाता यह दूरी तय नहीं करनी पड़ती। एक माह के भीतर कोई निर्माण शुरू और धराशाई हो जाए यह घटना सरकारी व्यवस्था की पोल खोलने जैसा है।

ठेकेदार के पास नहीं है कोई बजट

बताया जाता है कि ठेकेदार के पास इस निर्माण के लिए कोई बजट नहीं है,अब यदि बजट नहीं है तो निर्माण कैसे हो रहा था यह सवाल है। क्या यह निर्माण पूर्ण नहीं किया जाना है इसलिए बजट की व्यवस्था नहीं की गई थी और केवल निर्माण दिखावा मात्र था।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना
सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार
अम्बिकापुर,मंगलवार 09 सितम्बर 2025
6

दैनिक घटती घटना खबर का असर

मंत्री नहीं तो मंत्री के पति की ही घोषणा को अब मानना पड़ेगा?

मंत्री प्रतिनिधि पति नहीं, इस बार

स्वयं मंत्री पहुंची जनता के बीच

दो महीने से मंत्री के क्षेत्रवासी पुल टूटने के बाद वैकल्पिक मार्ग के लिए तरस रहे थे...

मंत्री एक भी बार इन ग्रामीणों तक नहीं पहुंच सकी थी जिसका अफसोस ग्रामीणों में झलक रहा था...

मंत्री व मंत्री के पति के आसपास अक्सर देखे जाते हैं मंडल अध्यक्ष सुनील साहू...

जहां भी मंत्री व मंत्री के पति होते हैं वहां सुनील साहू जरूर होते हैं इसके बाद वह ग्रामीणों से दूर होते हैं...

दो महीने के इंतजार के बाद मंत्री के दर्शन कर सके पुल टूटने के कारण प्रभावित होने वाले ग्रामीण

मंत्री पति उनके प्रतिनिधि पहले पहुंचकर कर चुके थे घोषणा,मंत्री खुद दें आश्वासन ग्रामीणों की थी मांग

मंडल अध्यक्ष सुनील साहू मंत्री या मंत्री के पति के पहुंचने पर ही क्यों दिखते हैं...

क्या तस्वीरों में मंत्री या मंत्री के पति के साथ खुद को दिखाकर मंडल अध्यक्ष यह बताना चाहते हैं कि वही हैं खास?

जिला पंचायत सदस्य अखिलेश प्रताप सिंह का दौरा,ग्रामीणों के साथ बैठेंगे धरने पर

क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य अखिलेश प्रताप सिंह ने रपटा पुल धराशाई होने के बाद प्रभावित स्थल पर जाकर ग्रामीणों से मुलाकात की,उन्होंने कहा कि वह इस पुल के जल्द निर्माण के लिए धरने पर बैठेंगे। अखिलेश प्रताप सिंह के धरने की चेतावनी के बाद अब मामले में राजनीति देखने को भी मिल सकती है क्योंकि मंत्री के गृह विधानसभा क्षेत्र में यदि जनता दो माह तक बिना पहुंच सड़क के आवागमन के लिए मजबूर है यह बड़ी विचित्र स्थिति है।

यह है पूरा मामला

बता दें कि महिला बाल विकास विभाग की मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के गृह विधानसभा के एक बड़े क्षेत्र को राष्ट्रीय राज्यमार्ग से जोड़ने वाला पुल दो महीने पहले धराशाई हो गया था और एक बड़े क्षेत्र का संपर्क सीधे तौर पर मुख्य मार्ग से टूट गया था और जिसके बाद बड़े क्षेत्र के ग्रामीण 20 किलोमीटर अतिरिक्त सफर करने मजबूर थे और वह इस समस्या से निजात का इंतजार कर रहे थे। जब ग्रामीणों को मदद की उम्मीद टूटती नजर आई अपने जनप्रतिनिधियों का उन्हें साथ मिलता नजर नहीं आया तब ग्रामीणों ने खुद से वैकल्पिक मार्ग के निर्माण का निर्णय लिया और जब यह सूचना मंत्री के खास लोगों तक पहुंची तब मंत्री प्रतिनिधि साथ ही उनके पति ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाकात की और वैकल्पिक मार्ग निर्माण के लिए सहयोग की घोषणा की। मंत्री प्रतिनिधि साथ ही उनके पति की घोषणा के बाद ग्रामीणों के बीच यह भी चर्चा होती सुनी गई कि मंत्री की जगह उनके पति जो उनके प्रतिनिधि हैं वह घोषणा कर रहे हैं क्या ऐसा करना घोषणा करना उचित है। वैसे ऐसी चर्चा पर ही दैनिक घटती-घटना ने समाचार का प्रकाशन किया था और यह प्रश्न उठाया था कि क्या एक जनप्रतिनिधि इतना व्यस्त हो सकता है कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र से ही दूर हो जाए जबकि निर्वाचन क्षेत्र में लोग किसी आपदा या किसी कारणवश परेशान हैं।वैसे खबर प्रकाशन के बाद ही सही मंत्री ने अपनी जिम्मेदारी समझी और उन्होंने मौके पर जाकर ग्रामीणों से मुलाकात की और सहयोग सहित जल्द पुल निर्माण की घोषणा की। मंत्री के खुद क्षेत्र के ग्रामीणों के बीच पहुंचने से ग्रामीणों को भी यह विश्वास हुआ है कि उनकी समस्या अब निराकृत होगी और वह जल्द ही वैकल्पिक मार्ग सुविधा प्राप्त कर पाएंगे वहीं उन्हें नए पुल की भी सौगात जल्द मिल सकेगी।

क्या बारिश ज्यादा होने का इंतज़ार कर रहे थे?

क्या काम में इसलिए देरी हो रही थी ताकि आधा मेहनत भी इस बारिश में बह जाए क्योंकि निरीक्षण के बाद जितनी तत्परता और तेजी उस निर्माण में आनी थी उतना आई नहीं और काम आधा अधूरा में ही अटक गया कई दिनों से काम बंद था वह रपटा पुल पूरा हो भी नहीं पाया और बनाने वाले में भी तकनीकी खामियां देखने को मिली जबकि बनाने का जिम्मा भी विभाग के पास था विभागीय इंजीनियर भी नौसीखिए की तरह ही उस रपटा पुल को बना रहे थे।

दो दिन काम 10 दिन बंद की स्थिति में बन रहा था रपटा पुल

रपटा पुल वह भी बरसात के समय बनाने की गति इतनी धीमी थी कि लग रहा था कि उसके दोबारा बहने का ही मौका ढूंढा जा रहा था जिससे कुछ सरकारी राशि बंदरबांट कि जा सके। बताया जाता है कि दो दिन काम फिर 10 दिन काम बंद की तर्ज पर रपटा पुल निर्माण कार्य जारी था और ऐसा भारी बारिश के समय हो रहा था जबकि होना यह था कि दिन रात के हिसाब से काम करते हुए जल्द रपटा पुल बना लिया जाना था ऐसा हुआ नहीं और पुल बह गया। कुल मिलाकर क्या रपटा पुल बह जाए यही निर्माण प्रारंभ का उद्देश्य था यह प्रश्न खड़ा हो रहा है।

22 अगस्त को मंत्री प्रतिनिधि द्वारा की गई थी घोषणा

रपटा पुल निर्माण की घोषणा मंत्री प्रतिनिधि उनके पति ने 22 अगस्त 2025 को की थी और उसके एक माह बीतते ही रपटा पुल आधा बनकर धराशाई हो गया। रपटा पुल निर्माण पहले जन सहयोग से किए जाने की बात सामने आई थी जिसके बाद मंत्री प्रतिनिधि उनके पति मौके पर पहुंचे थे और घोषणा की थी। मंत्री प्रतिनिधि उनके पति भी तब ग्रामीणों के बीच पहुंचे थे जब उन्हें ग्रामीणों की नाराजगी की बात पता चली थी।

घोषणा के बाद मंत्री स्वयं मौके पर पहुंचकर दी थीं अधिकारियों को दिशा निर्देश

मंत्री अपने प्रतिनिधि की घोषणा उपरांत खुद भी मौके पर पहुंची थीं जहां अधिकारियों की भी मौजूदगी बड़ी तादाद में नजर आई थी और मंत्री ने सभी की उपस्थिति में रपटा पुल निर्माण के लिए अधिकारियों को दिशा निर्देश प्रदान किया था। मंत्री का निर्देश लगता है दिखावा मात्र था या फिर उनके निर्देश की गंभीरता अधिकारियों के लिए बेमानी थी इसलिए उन्होंने रपटा पुल निर्माण को लेकर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत नहीं समझी और रपटा पुल बनने से पहले धराशाई हो गया बह गया।

चुनाव के समय नेता बड़े बडे घोषणा तो करते है लेकिन जनता की तकलिफो से इनको कोई सरोकार नहीं

नेताओं की घोषणा सिर्फ चुनावी घोषणा जैसे ही रहती है उस पर अमल बहुत धीरे होता है या तो सरकार जाने के बाद होता है या फिर सरकार जाने की अंतिम समय में होता है पर समय पर नहीं होता है कुछ ऐसा ही एक बार फिर एक पुल टूटने के बाद रपटा पुल बनाने में भी देखा गया मंत्री के कड़े निर्देश व निरीक्षण के बाद भी पुल को जल्द बनाने का प्रयास किया जाएगा ऐसा लगा कि उसे सिर्फ खानापूर्ति ही कर रहे हैं और मंत्री की इज्जत बचाने के लिए अधिकारी वहां पर पहुंचे हुए हैं बाकी उस काम को पूरा करना उनका उद्देश्य नहीं था और उल्टा विभागीय पैसे का दुरुपयोग ही हो गया उस पुल के बहने के बाद।

दो महीने के इंतजार के बाद मंत्री के दर्शन तो हुए ही पर उनके दर्शन के 15 दिन में भी रपटा पुल तैयार नहीं हुआ और बह गया

प्रदेश की महिला बाल विकास विभाग की मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के गृह विधानसभा का एक पुल दो महीने पहले बरसात के प्रथम चरण में ही टूट गया था धराशाई हो गया था, पुल टूटने के बाद से ही बड़े क्षेत्र के ग्रामीण 20 किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर गंतव्य तक पहुंच पा रहे थे और उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस बीच ग्रामीणों की समस्या से अवगत होने उनके द्वारा ही चुनी गई विधायक सरकार में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े नहीं पहुंच सकीं थीं जिससे ग्रामीण निराश थे,ग्रामीणों की निराशा भांपकर जो नाराजगी में तब्दील हो सकती थी मंत्री ने दो महीने बाद ग्रामीणों से मिलने का समय निकाला और उनके बीच पहुंची, ग्रामीणों को अपनी विधायक के उनके बीच पहुंचने के बाद प्रसन्न देखा गया बताया जाता है कि उन्हें अब अपनी समस्या से निजात की उम्मीद जगी है जो टूट चुकी थी, पर उनके जाने के 15 दिन बाद भी वह पुल विकल्प व्यवस्था के तहत नहीं बन पाया और उनके जाने के बाद जितना बना था वह भी बह गया अब लोगों की उम्मीद और टूट गई और उसी पानी के साथ बह गई।

आर्यन खान को गुस्सा नहीं आता,वो शाहरुख खान की तरह विनम्र और हर डिपार्टमेंट की जानकारी है : सहर बांबा

शिमला की पहाड़ियों से आने वाली सहर बांबा का परिवार नहीं चाहता था कि वह फिल्मों में आएं, लेकिन अनगिनत ऑडिशंस के बाद उन्होंने द बैड्स ऑफ बॉलीवुड सीरीज से अपनी पहचान बना ली। पल पल दिल के पास और मिरांडा ब्रदर्स जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी सहर मानती हैं कि आउटसाइडर होने के नाते उनकी चुनौतियां अलग थीं, हालांकि नेपो किड्स के भी अपने संघर्ष होते हैं।

आठ लड़कियों के साथ रूम शेयर करती थी...

मुंबई शहर में अपने सफर के बारे में सहर कहती हैं,मैंने अपने पैरेंट्स से कहा कि वो मुझे कम से कम मुंबई से अपने कॉलेज की पढ़ाई करने दें, ताकि मैं अपनी एजुकेशन के साथ-साथ ऑडिशन भी देकर खुद को आजमा सकूं। मैं मुंबई आई ऑडिशन के मकसद से और फिर ऑडिशन का सिलसिला शुरू हुआ। जब आप छोटे शहर से आते हैं, तो आपके पास उतने पैसे नहीं होते। मुंबई में शुरू में मैं जय हिंद कॉलेज के ऑपोजिट एक हॉस्टल में रह रही थी और वहां बंकर बेड थे,जहां एक कमरे में मैं 8 और लड़कियों के साथ रहा करती थी। उन दिनों मैं रोजाना लोकल ट्रेन से सफर किया करती थी। मैंने लोकल ट्रेन्स में काफी सफर किया। फिर मेरे लिए ऑडिशन का दौर भी आसान तो नहीं था, मगर फिर आपको न सुनने की आदत हो जाती है। मैंने अब तक हजारों ऑडिशन दिए, जिसमें कई बड़ी फिल्मों में मैं शॉर्टलिस्ट भी हुई, मगर आखिरी राउंड में बाहर हो गई।

आर्यन खान को कभी गुस्सा नहीं आता

सहर बांबा बताती हैं कि द बैड्स ऑफ बॉलीवुड का ऑडिशन उन्हें उस दौर में मिला जब लगातार ऑडिशन देने के बावजूद कुछ बन नहीं रहा था। अगस्त 2022 में कॉल आया, पहला और दूसरा राउंड हुआ, लेकिन कोई अपडेट नहीं। तीसरे राउंड का ऑडिशन खुद आर्यन खान ने लिया और तीन महीने बाद उन्होंने ही सहर को कॉल कर फाइनल होने की खबर दी। सहर कहती हैं,आर्यन से पहली मुलाकात में ही लगा कि वह कंटेंट और काम को लेकर बेहद आत्मविश्वासी हैं। काम शुरू करने के बाद तो कभी महसूस ही नहीं हुआ कि मैं किसी फर्स्ट-टाइम डायरेक्टर के साथ हूं। उन्हें हर डिपार्टमेंट की नॉलेज है और वह बिल्कुल अपने पिता शाहरुख खान की तरह विनम्र और जमीन से जुड़े हुए इंसान हैं। सेट पर टेक्नीशियन से लेकर स्टाफ तक, सभी से उनका व्यवहार बेहद अच्छा था। वह मुझे चेयर ऑफर करते, घर जाते वक्त पूछते कि गाड़ी है या नहीं और यहां तक कि मन्नत की पार्टियों में दरवाजे तक विदा करने आते। सचमुच,उन्हें कभी गुस्सा आता ही नहीं।

नहीं भूल सकती मन्नत की पार्टियों का वो एक्सपीरियंस

अपने फैनडम मोमेंट को याद करते हुए सहर मुस्कुराती हैं, और कहती हैं शाहरुख खान सर तो बचपन से मेरे फेवरेट रहे हैं। मेरे लिए सबसे बड़ा पल था, जब उनके घर की एक पार्टी में मैं उनके साथ 'छैंया छैंया' और 'छम्मक छल्लो' जैसे गानों पर डांस कर रही थी। वो एक्सपीरियंस मैं कभी नहीं भूल सकती। आखिरकार उन्हीं गानों को स्क्रीन पर देखकर हम बड़े हुए और अब उनके साथ थिरकने का मौका मिला, तो उस दिन मैंने खुद को चूंटी काटी थी। (हंसती हैं)

मेरे ऑडिशंस पर मां दिन-रात प्रार्थना करती थी...

सहर बांबा बताती हैं,करियर की शुरुआत में मुझे न एक्टिंग आती थी न फिल्ममेकिंग के तकनीकी पहलू समझ में आते थे। जो भी सीखा, सेट पर सीखा। पल पल दिल के पास से डेब्यू करते हुए सनी देओल और करण देओल से भी बहुत कुछ सीखा। मेरे लिए सबसे जरूरी है अपने क्राफ्ट पर लगातार काम करना। गैर-फिल्मी पृष्ठभूमि से आने के बावजूद मैं हमेशा अपने पैशन के प्रति समर्पित रही हूं। द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में नेपो किड का किरदार निभाने वाली सहर कहती हैं, इस रोल ने मुझे समझाया कि हर किसी का संघर्ष अलग होता है। आउटसाइडर्स की चुनौतियां अपनी जगह हैं, लेकिन इनसाइडर्स का सफर भी आसान नहीं होता। यह मानना गलत है कि नेपो किड्स को सब कुछ थाली में परोसा मिलता है। जब मुझे बैड्स... का ऑडिशन मिला और मम्मी को पता चला कि ये आर्यन खान का शो है, तो उन्होंने दिन-रात दुआ की। सच में, उनकी प्रार्थनाएं ही रंग लाई हैं।

फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2025 : किल का कब्जा

श्रद्धा कपूर समेत इन सितारों को भी मिला नामांकन

70वें हुंडई फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2025 का आगाज होने वाला है। इसी के साथ गुजरात के गांधीनगर में फिर से सितारों का जमावड़ा देखने को मिलेगा। इसके लिए नामांकन पाने वालों की सूची भी सामने आ गई है,जिसमें कई ऐसी फिल्में और कलाकार मौजूद हैं,जिन्हें दर्शकों ने सिर आंखों पर बैठाया। फिल्मफेयर पुरस्कार समारोह में इस बार करण जौहर की फिल्म किल का भौकाल देखने को मिलेगा।

किल को मिले सबसे ज्यादा 15 श्रेणियों में नामांकन

इस बार करण जौहर की एक्शन थ्रिलर फिल्म किल को फिल्मफेयर में सबसे ज्यादा नामांकन मिले हैं, जिसने आते ही न सिर्फ दर्शकों और समीक्षकों का दिल जीत लिया, बल्कि दुनियाभर के फिल्म महोत्सवों में जमकर वाहवाही लूटी। इस फिल्म को कुल 15 श्रेणियों में नामांकन मिले हैं। सर्वश्रेष्ठ फिल्म से लेकर सर्वश्रेष्ठ निर्देशक,सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता,बेस्ट डेब्यू (मेल), बेस्ट एक्शन और बेस्ट स्टोरी जैसी तमाम बड़ी श्रेणियों में फिल्म ने अपना नाम दर्ज करा लिया है।

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की सूची में कौन?

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता की श्रेणी में अभिषेक बच्चन को (आई वॉन्ट टू टॉक) अजय देवगन (मैदान) अक्षय कुमार (सरफिरा),ऋतिक रोशन (फाइटर), कार्तिक आर्यन (चंदू चैंपियन) और राजकुमार राव को स्त्री 2 के लिए नामांकन मिला है। उधर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की दौड़ में श्रद्धा कपूर स्त्री 2 के लिए नामित हुई हैं,वहीं आलिया भट्ट (जिगरा), करीना कपूर (द बकिंघम मर्डर्स), तब्बू (क्रू), यामी गौतम (आर्टिकल 370) और कृति सैनन (तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया) के लिए नामित हुई हैं।

सर्वश्रेष्ठ फिल्म और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक की दौड़ में इनके बीच होगा मुकाबला

फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2025 में सर्वश्रेष्ठ फिल्म की श्रेणी में यामी की आर्टिकल 370, कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3, राघव जुयाल और लक्ष्य लालवानी की किल, किरण राव की फिल्म लापता लेडीज और श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 शामिल है। उधर सर्वश्रेष्ठ निर्देशक की श्रेणी में आर्टिकल 370 के आदित्य सुहास जंभाले से लेकर अमर कौशिक (स्त्री 2), अनीस बज्मी (भूल भुलैया 3), किरण राव (लापता लेडीज) और निखिल नागेश भट्ट (किल) ने अपनी जगह बनाई है।

एलीमनी के दावों पर धनश्री वर्मा ने तोड़ी चुप्पी

कहा...बुरा लगता है,कुछ भी सच नहीं है शो में अरबाज को लेकर हुई इमोशनल

कोरियोग्राफर और कंटेंट क्रिएटर धनश्री वर्मा इन दिनों रियलिटी शो राइज एंड फॉल में नजर आ रही हैं। शो के दौरान धनश्री ने युजवेंद्र चहल से एलीमोनी लेने के दावों पर चुप्पी तोड़ी है। हाल ही शो में जब आदित्य नारायण ने धनश्री से पूछा कि उनके तलाक को कितना समय हो गया है, तो उन्होंने कहा, ऑफिशियल तौर पर लगभग एक साल हो गया है। इसके बाद कुब्रा सैत ने कहा कि उनका तलाक काफी जल्दी हो गया। इस पर वर्मा ने कहा,ये जल्दी इसलिए हुआ क्योंकि ये आपसी सहमति से था। इसलिए जब लोग एलिमनी की बात करते हैं, तो ये गलत है। सिर्फ इसलिए कि मैं चुप हूं, लोग कुछ भी कहते रहेंगे? मेरे पेरेंट्स ने सिखाया है कि उसी को सफाई दो जो मायने रखता है। जिन्हें जानते भी नहीं, उन्हें समझाने में क्यों वक्त खराब करना? वहीं, नयनदीप रक्षित ने उनसे पूछा कि जब उन पर एलिमनी की बातें हो रही थीं तो क्या कभी लगा कि कुछ कहना चाहिए? इस पर धनश्री ने कहा, आखिरकार जब ऐसा होता है तो आपको बुरा लगता है। इसकी जरूरत नहीं थी। इनमें से कुछ भी सच नहीं है। मुझे सबसे बुरा ये लगा कि उन्होंने ऐसा क्यों किया? लेकिन ठीक है, मैं हमेशा उनकी रिस्पेक्ट करूंगी। यही मेरी सोच है। अब मुझे नहीं लगता कि मैं किसी को डेट कर सकती हूं। बता दें कि क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा से शादी की दिसंबर 2020 में हुई। वहीं, जून 2022 में दोनों अलग हो गए और मार्च 2025 दोनों का तलाक औपचारिक रूप से हुआ। वहीं,ऐसी खबरें आई थीं कि धनश्री ने 60 करोड़ रुपए की एलिमनी मांगी थी, जिसे उनके परिवार ने एक आधिकारिक बयान में खारिज कर दिया था।

अरबाज पटेल के साथ धनश्री का खास बॉन्ड दिख रहा है : बता दें कि राइज एंड फॉल की शुरुआत से ही आदित्य नारायण, अरबाज पटेल और धनश्री वर्मा ने एक ग्रुप बना लिया था। पवन सिंह भी इसमें शामिल थे, लेकिन अब वे शो का हिस्सा नहीं हैं। पवन के जाने के बाद धनश्री और अरबाज की नजदीकियां बढ़ती दिखाई दे रही हैं। एक एपिसोड में धनश्री ने अरबाज से कहा, आपने मेरे लिए मुश्किल कर दी है। मैं तो विलेन की दोस्त हूं। इस पर अरबाज ने जवाब दिया, मैं विलेन नहीं, हीरो हूं। धनश्री ने कहा, अगर हीरो बनना है तो मेरी बातें सुननी पड़ेंगी। जिस पर अरबाज ने कहा, हीरो भी मैं हूं और विलेन भी। तुम हीरोइन बनना चाहोगी? इस पर धनश्री हंस पड़ीं। फिर अरबाज ने कहा, यही तो मसला है। पूरी फिल्म में हीरोइन तो विलेन के साथ ही रहती है।

अरबाज के पेंटहाउस छोड़ते वक्त धनश्री भावुक हो गईं : वहीं, हाल ही में जब अरबाज पेंटहाउस छोड़कर बेसमेंट में वर्कर्स के साथ गए तो इस दौरान धनश्री रोती हुई नजर आईं। पेंटहाउस छोड़ने से पहले अरबाज ने धनश्री को मैसेज दिया। उन्होंने कहा, मैं अब जा रहा हूं। प्लीज अपना ख्याल रखना धनश्री। लोग कहा करते थे कि तुम्हारे सारे फैसले मुझसे प्रभावित होते हैं। अब तुम अपना इंडिविजुअल गेम खेल सकती हो।

खेल समाचार

अभिषेक शर्मा ने तोड़ा कोहली और रिजवान का रिकॉर्ड

एक टी-20 एशिया कप में सबसे ज्यादा रन,टीम इंडिया सुपर ओवर की चैंपियन

दुबई, 27 सितम्बर 2025। टीम इंडिया ने एशिया कप में जीत का सिलसिला कायम रखा। भारत ने शुक्रवार को श्रीलंका के खिलाफ सुपर ओवर में जीत हासिल की। दुबई स्टेडियम में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 202 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम ने भी इतने ही रन बनाए और मैच टाई हो गया। सुपर ओवर में श्रीलंका ने भारत को 3 रन का टारगेट दिया। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहली ही बॉल पर तीन रन बनाकर भारत को जीत दिला दी।

भारतीय टीम अब लगातार 6 सुपर ओवर जीत चुकी है। टीम इंडिया दुनिया की इकलौती ऐसी टीम है जो कभी टी-20 का टाईब्रेकर नहीं हारी है। इसके अलावा अभिषेक शर्मा किसी एक टी-20 एशिया कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर बन गए हैं। उन्होंने मोहम्मद रिजवान और विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा है।

अभिषेक एक टी-20 एशिया कप के हाईएस्ट स्कोरर : टी-20 एशिया कप के एक ही संस्करण में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अभिषेक शर्मा ने अपने नाम कर लिया है। उन्होंने 6 पारियों में कुल 309 रन बनाए। उनसे पहले 2022 में मोहम्मद रिजवान ने 6 पारियों में 281 रन बनाए थे। इसी साल विराट कोहली ने भी शानदार बल्लेबाज करते हुए 5 पारियों में 276 रन बनाए थे। वहीं अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान ने 2022 में 5 पारियों में 196 रन बनाए थे।

अभिषेक ने छठी बार 25 या उससे कम बॉल पर फिफ्टी लगाई : अभिषेक शर्मा ने टी-20 में भारत के लिए छठी दफा 25 या उससे कम बॉल में फिफ्टी लगाई। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 61 रन बनाए। भारत के लिए यह रिकॉर्ड कप्तान सूर्यकुमार यादव के नाम है। उन्होंने 7 बार यह कारनामा किया है।

अभिषेक ने रोहित-रिजवान की बराबरी की टी20

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार 30 या उससे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड तीन खिलाड़ियों के नाम दर्ज है। 2021 में मोहम्मद रिजवान ने लगातार 7 पारियों में 30+ रन बनाए। वहीं 2021-22 में रोहित शर्मा ने भी 7 पारियों 30+ रन बनाए। वहीं अभिषेक शर्मा 2025 में 7 पारियों में लगातार 30 या उससे अधिक रन बना चुके हैं।

इगा चाइना ओपन में तीसरे राउंड में पहुंची

चीनी खिलाड़ी युआन यू को 6-0, 6-3 से हराया

नई दिल्ली,27 सितम्बर 2025। दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी और विंबलडन चैंपियन इगा स्वातेक ने शनिवार को चाइना ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। उन्होंने चीनी खिलाड़ी युआन यू को 6-0, 6-3 से हराया। इसके साथ ही वह डब्ल्यूटीए टूर इतिहास में भी लगातार तीन सीजन में डब्ल्यूटीए-1000 टूर्नामेंट्स में 25 या उससे अधिक जीत दर्ज करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं।

स्वातेक ने पिछले हफ्ते कोरिया ओपन जीता था

पिछले हफ्ते सियोल में कोरिया ओपन जीतने जीता था। वह चाइना ओपन में टॉस सीड थी। उन्होंने युआन यू के खिलाफ पहला सेट 6-0 से आसानी से जीता और दूसरे सेट में 6-3 से जीत हासिल कर अगले दौर में जगह बनाई। 24 साल की पोलैंड की इस खिलाड़ी ने अपने करियर में अब तक छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं, जिनमें चार फ्रेंच ओपन और एक यूएस ओपन शामिल है।

दिन के अन्य मुकाबले

शनिवार को बीजिंग में हुए अन्य मैचों में चौथी वरीयता प्राप्त मिर्रा एंड्रीवा ने भी शानदार खेल दिखाया और चीनी खिलाड़ी झू लिन को 6-2, 6-2 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। इसके अलावा, अमेरिका की एम्मा नवारो ने एलेना-गैब्रिएल रूसे को 6-3, 7-6 (0) से मात दी।

पुरुष टूर्नामेंट में भी रोमांच

चाइना ओपन के साथ-साथ बीजिंग में एटीपी 500 पुरुष टूर्नामेंट भी चल रहा है। इसमें दुनिया के टॉप खिलाड़ी जैनिक सिनर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए फ्रांस के टेरेंस एटमाने से भिड़ेंगे। उन्होंने पहले दौर में क्रोएशिया के अनुभवी खिलाड़ी मारिन सिलिच को केवल चार गेम खोकर हराया था। सिनर तीन हफ्ते पहले यूएस ओपन के फाइनल में कार्लोस अल्काराज से हार गए थे।

छत्तीसगढ़ की पहली अमृत भारत एक्सप्रेस को प्रधानमंत्री मोदी ने दिखाई हरी झंडी

रायपुर,27 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ से होकर गुजरने वाली पहली अत्याधुनिक अमृत भारत एक्सप्रेस ने 27 सितंबर से अपनी यात्रा शुरू कर दी है। यह ट्रेन उधना (गुजरात) से ब्रह्मपुर (ओडिशा) के बीच संचालित होगी। ब्रह्मपुर से इस ट्रेन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने और उधना से रेल मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। 5 अक्टूबर से यह ट्रेन नियमित रूप से चलेगी, और इसकी बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह ट्रेन किफायती किराए में आधुनिक सुविधाओं के साथ आम यात्रियों को आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी।

अमृत भारत एक्सप्रेस की विशेषताएं

अमृत भारत एक्सप्रेस को यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। इसकी प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी ट्रेन

अमृत भारत एक्सप्रेस उधना से शुरू होकर नंदुरबार,जलगांव,भुसावल, बडनेरा,वर्धा,नागपुर,गोंदिया,रायपुर,टिटलागढ़,रायगड़ा,विजयनगरम और पालासा जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। यह ट्रेन छत्तीसगढ़ सहित गुजरात और ओडिशा के यात्रियों के लिए सुगम और सस्ती रेल यात्रा का विकल्प प्रदान करेगी।

आम जनता के लिए वरदान

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यह ट्रेन न केवल किफायती है,बल्कि आधुनिक सुविधाओं से लैस होने के कारण यात्रियों को प्रीमियम अनुभव प्रदान करेगी। यह ट्रेन छत्तीसगढ़, गुजरात और ओडिशा के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ाएगी और क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

यात्री सुविधाएं...

अग्निरोधी सीटें और बर्थ : प्रत्येक बर्थ पर यूएसबी टाइप-ए और टाइप-सी चार्जिंग पॉइंट, स्नैक ट्रे, एलईडी लाइटिंग और रेडियम स्ट्रिप्स की सुविधा।

मॉड्यूलर टॉयलेट : नॉन-एसी एलएचबी कोचों में वैक्यूम सिस्टम, परफ्यूम डिस्पेंसर, पानी सेंसर और आधुनिक डिज़ाइन वाले टॉयलेट।

पेंट्री कार : कॉम्बी ओवन, इंडक्शन प्लेट और वोक से सुसज्जित। इलेक्ट्रिक रूम में अग्निरोधी व्यवस्था।

सुरक्षा व्यवस्था

सभी डिब्बों में सीसीटीवी, एलईडी गंतव्य बोर्ड, आपातकालीन सुविधाएं और ईपी आधारित ब्रेक सिस्टम। इमरजेंसी टॉक-बैक सिस्टम और अन्य सुरक्षा उपाय।

कोच संरचना और डिज़ाइन

22 कोचः स्लीपर, जनरल, पेंट्री कार और दिव्यांगजनों के लिए विशेष कोच शामिल। प्रत्येक बर्थ तक सुरक्षित सीढ़ी और सीलबंद गैंगवे। 1800 यात्रियों की बैठने की क्षमता और 130 किमी/घंटा की रफ्तार। डब्ल्यूएपी-5 इंजन दोनों सिरों पर, सेमी-ऑटोमैटिक कपलर और झटके-रहित यात्रा के लिए विशेष डिज़ाइन। एल्यूमीनियम इंटीरियर और उन्नत यात्री सुविधाएं।

इंटरनेशनल लाल चंदन तस्करी

8.6 करोड़ की संपत्ति अटैच

सिंडिकेट के सरगना अब्दुल जाफर पर ईडी का एक्शन,रायपुर में छुपाई थी 11 मीट्रिक टन लकड़ियां

रायपुर,27 सितम्बर 2025। प्रवर्तन निदेशालय ने लाल चंदन (रेड सैंडर्स) की तस्करी करने वाले इंटरनेशनल सिंडिकेट के सरगना अब्दुल जाफर की 8.6 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त कर ली है। ईडी की जांच में पता चला कि अब्दुल जाफर ने साल 2016 में रायपुर के एक गोदाम में करीब 11 मीट्रिक टन वजन के 576 लाल चंदन के लट्ठे छिपाकर रखे थे। डीआरआई नागपुर की टीम ने जांच के दौरान रायपुर के एक गोदाम से लाल चंदन की लकड़ियां जब्त की थी। इसके बाद ईडी ने नागपुर की पीएमएलए स्पेशल कोर्ट में आरोपी अब्दुल जाफर के खिलाफ केस दर्ज किया है। अब्दुल जाफर फिलहाल न्यायिक हिरासत में है और जेल में बंद है।

ये है पूरा मामला...

नागपुर में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) को सूचना मिली थी कि अब्दुल जाफर दुबई में लाल चंदन (रेड सैंडर्स) की तस्करी कर रहा है। इस जानकारी के आधार पर डीआरआई ने कस्टम्स एक्ट, 1962 के तहत जांच शुरू की। जांच के दौरान, 2 अक्टूबर 2016 को नागपुर में एक कंटेनर को रोका गया, जिसमें स्पंज आयरन के नीचे छिपाकर रखे गए 1,324 लाल चंदन के लट्ठे जब्त किए गए। इन लट्ठों का कुल वजन 14.055 मीट्रिक टन था। पूछताछ और तलाशी के दौरान, 4 अक्टूबर 2016 को रायपुर के एक गोदाम से 576 लाल चंदन के लट्ठे (11 मीट्रिक टन) जब्त किए गए। इसके बाद, 19 अक्टूबर 2016 को मुंबई के जवाहरलाल नेहरू पोर्ट (न्हावा शेवा) पर एक और कंटेनर की जांच हुई, जिसमें 17.060 मीट्रिक टन लाल चंदन मिला। जांच में पता चला कि लाल चंदन को स्पंज आयरन के नाम पर छिपाकर दुबई भेजा जा रहा था।

13 बार में 159 टन लाल चंदन की तस्करी

जांच में यह भी पता चला कि फरवरी 2016 से अक्टूबर 2016 के बीच इस सिंडिकेट ने 13 बार 159.110 मीट्रिक टन रेड सैंडर्स (लाल चंदन) की तस्करी की। इसकी कुल कीमत करीब 63.64 करोड़ रुपए आंकी गई। परिवहन करने वालों, मजदूरों और साथ देने वालों के बयान से खुलासा हुआ कि असली सामान की जगह कंटेनरों में लाल चंदन भरा जाता था, फिर कंटेनर को दोबारा सील कर दिया जाता था। इस पूरे मामले में अब्दुल जाफर मुख्य साजिशकर्ता निकला। कस्टम विभाग, नागपुर ने उसके खिलाफ धोखाधड़ी से निर्यात, तस्करी की कोशिश और कस्टम एक्ट के उल्लंघन का केस दर्ज किया है।

हाईकोर्ट ने बर्खास्त बीएड शिक्षकों को समायोजन देने के फैसले को सही माना

बिलासपुर,27 सितम्बर 2025। हाईकोर्ट ने 2,621 बर्खास्त बीएड योग्य सहायक शिक्षकों को सहायक शिक्षक (विज्ञान/लैबोरेटरी) पद पर समायोजित करने के राज्य सरकार के फैसले को सही ठहराया है। मामले में जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की सिंगल बेंच ने कहा,कि यह निर्णय न तो अवैध है और न ही मनमाना बता दें कि जांजगीर चांपा निवासी संजय कुमार और मुंगेली निवासी विजय कश्यप ने अप्रैल 2025 में लिए गए सरकार के निर्णय को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका में कहा था कि छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा सेवा भर्ती एवं पदोन्नति नियमों के तहत सहायक शिक्षक के पूरे पद सीधी भर्ती से भरे जाने हैं,लेकिन सरकार ने इन पदों पर बर्खास्त शिक्षकों को समायोजित कर नियमों का उल्लंघन किया है। सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि 4422 रिक्त पदों में से 2621 बर्खास्त शिक्षकों को समायोजित किया,जो अप्रैल 2024 में हाईकोर्ट के आदेश से बर्खास्त हुए थे। ये तमाम शिक्षक बीएड धारक थे,लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद डीएड योग्यता जरूरी होने से उनकी सेवाएं समाप्त हुई। सभी दलीलों को सुनने के बाद हाई कोर्ट ने माना कि सरकार का यह कदम नियमों के अनुरूप है और इसमें कोई मनमानी नहीं है। इसलिए याचिका को खारिज कर राज्य सरकार के समायोजन फैसले को बरकरार रखा गया।

2 युवकों की दर्दनाक मौत

चार पहिया और बाइक के बीच हुई भिड़ंत

राजनांदगांव,27 सितंबर । डोंगरगढ़ क्षेत्र के मूंदगांव में अब से करीब आधा घंटा पहले डीआई और बाइक में भिड़ंत में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। हादसे में मौके पर ही दोनों ने दम तोड़ दिया। डीआई चालक मौके से फरार हो गया है। जोरदार टक्कर के चलते डीआई गाड़ी भी अनियंत्रित होकर पलट गई। वहीं मौके पर बाइक सवार युवकों की जान चली गई। डोंगरगढ़ थाना से पहुंची पुलिस की सहायता टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। गाडियों की भिड़ंत में मृतकों का शव काफी वीभत्स हो गया है। टकराने की घटना के बाद डीआई भी कुछ दूर जाकर पलट गई। जबकि सड़क के बीच क्षतिग्रस्त हो गई। डोंगरगढ़ पुलिस घटना की जांच कर रही है। मृत युवकों की शिनाख्ती अब तक नहीं हुई है। डीआई चालक की पुलिस तलाश कर रही है।

रायपुर के समोदा गौठान में 18 गायों की मौत

विकास उपाध्याय बोले...गोवंश के शव चील-कौवे नोच रहे,भाजपा सरकार में गोवंश सुरक्षित नहीं

रायपुर,27 सितंबर । रायपुर के समोदा गांव के गौठान में गायों की मौत के मामले में शनिवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी की जांच करने पहुंची। इस दौरान समिति के संयोजक विकास उपाध्याय, समिति के सदस्य, छाया वर्मा, कन्हैया अग्रवाल, प्रमोद दुबे, उधव राम वर्मा, कोमल साहू जांच रिपोर्ट बनाकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज को सौंपेंगे। विकास उपाध्याय ने बताया कि, जांच के दौरान गौठान में भारी अनियमितताएं उजागर हुईं। समिति ने पाया कि गौठान में लगभग 17-18 गायों की मौत हो चुकी है। जिनके शव को चील और कौवे नोच रहे थे। गौठान की स्थिति अस्त-व्यस्त थी। गौठान में 50 गाय रखने की व्यवस्था थी। जिसमें लगभग 250 से 300 गाय रखे जा रहा हैं। विकास उपाध्याय ने कहा कि, भाजपा की सरकार बने दो साल हो गए हैं। भाजपा गोवंश के नाम पर वोट मांगती है, लेकिन जब-जब भाजपा की सरकार बनती है,सबसे ज्यादा गौ तस्करी और गोवंश की हत्या होती है। छत्तीसगढ़ के चारों तरफ ओडिशा, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की सीमाओं से गोवंश बाहर जाता है। उन्हें काटकर बेचा रहा है। कांग्रेस सरकार में गौठान योजना बनाई गई थी, गांव की समितियां बनाई गई थीं, डॉक्टर की व्यवस्था की गई थी।

विद्या भारती संस्था का भारत की संस्कृति और परंपरा को आगे बढ़ाने में विशिष्ट योगदान : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर,27 सितम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि विद्या भारती संस्था भारत की संस्कृति और परंपरा को आगे बढ़ाने में विशिष्ट योगदान दे रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे राष्ट्र गौरव निर्माण में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएँ। मुख्यमंत्री साय आज बिलासपुर के कोनी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में नव-निर्मित सरस्वती महाविद्यालय भवन का लोकार्पण करने पहुँचे। इस अवसर पर विद्या भारती द्वारा आयोजित भव्य सम्मान समारोह में प्रदेश के 33 जिलों के सरस्वती स्कूलों से चयनित 24 मेधावी छात्र-छात्राओं को तथा विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों एवं महोत्सवों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा तथा स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव उपस्थित रहे। इस अवसर पर बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक और तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह भी विशेष रूप से शामिल हुए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित सभी अतिथियों ने सरस्वती स्कूल परिसर, कोनी में नव-निर्मित महाविद्यालय भवन का विधिवत पूजा-अर्चना कर लोकार्पण किया। तत्पश्चात सरस्वती स्कूल परिसर स्थित लखीराम सभा भवन में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि मेधावी छात्र-छात्राएँ अपनी मेहनत, अनुशासन और संस्कारों से प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे हैं। विद्यालय का यह नया भवन शिक्षा और ज्ञान के विस्तार का प्रतीक है, जो समाज को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि सरस्वती महाविद्यालय के द्वारा गुरु घासीदास विश्वविद्यालय तथा इसरो,बेंगलुरु के साथ एमओयू किए हैं, जिससे विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी क्षेत्र में अधिक अवसर मिलेंगे। साथ ही पं. सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय का स्टडी सेंटर भी यहाँ प्रारंभ होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्थानीय भाषा में शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, हाइटेक लाइब्रेरी, रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी सुविधाएँ विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे दृढ़ संकल्प और परिश्रम के साथ समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें। विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि विद्या भारती शिक्षा के साथ संस्कार देने का कार्य कर रही है। उन्होंने संस्था द्वारा ज्ञान परंपरा और भारतीय संस्कृति को सहेजने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

विद्या भारती के प्रांतीय संगठन मंत्री देव नारायण ने संस्था के सिद्धांतों, विचारधारा और कार्य-प्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरस्वती संस्थान द्वारा अब तक छत्तीसगढ़ में तीन महाविद्यालयों की स्थापना की गई है और सात प्रकल्प संचालित हैं। ग्राम भारती के अंतर्गत 1,100 से अधिक विद्यालय कार्यरत हैं। इन संस्थानों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुँचाया जा रहा है, जिससे योग्य और राष्ट्र के प्रति समर्पित विद्यार्थियों का निर्माण हो रहा है।

कार्यक्रम में नन्हे बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर नगर निगम महापौर श्रीमती पूजा विधानी, क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी,सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष राम भरोसा सोनी, सरस्वती ग्राम शिक्षा समिति के अध्यक्ष रतन चंद्राकर,सरस्वती शिशु मंदिर कोनी के अध्यक्ष मुनेश्वर कौशिक, सरस्वती ग्राम शिक्षा समिति के सचिव संतोष तिवारी,बृजेंद्र शुक्ला,पुरनंदन कश्यप, रामपाल, सुजीत मित्रा, सुदामा राम साहू, प्रांत प्रमुख श्रीमती दिव्या चंदेल, संचालकगण, प्राचार्य/आचार्यगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

दुर्गा पंडाल के पंडा ने किया सुसाइड,फंदे पर लटके मिली लाश

धमतरी, 27 सितंबर (ए)। नवरात्र के दौरान दुर्गा पंडाल में पंडा बने युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामला अर्जुनी थाना क्षेत्र के ग्राम धौरा भाटा का है। इस घटना से पूरे गांव में मातम का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम धौरा भाटा निवासी विनोद कुमार इस साल दुर्गा पंडाल में पंडा की भूमिका निभा रहे थे। शुक्रवार दोपहर वे पंडाल से बाहर निकले और पास ही एक मकान में चले गए, लेकिन देर तक वापस नहीं लौटे जब लोग देखने वहां पहुंचे तो हैरान रह गए। मकान के अंदर विनोद गमछे से फांसी के फंदे पर लटके हुए थे। यह नज़ारा देखकर पूरे गांव में हड़कंप मच गया और दुर्गा महोत्सव की खुशियां ग़म में बदल गई। घटना की सूचना मिलते ही अर्जुनी पुलिस मौके पर पहुंची शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल धमतरी भेजा गया है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। नवरात्र के बीच हुई इस घटना से गांव में मातम का सन्नाटा पसरा हुआ है पंडा बने विनोद की आत्महत्या ने पूरे उत्सव को ग़मगीन कर दिया है। अब सबकी निगाहें पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी हैं।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की हथियार फैक्टरी को किया ध्वस्त

रायपुर, 27 सितंबर (ए)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के मेट्टगुड़ा कैम्प क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की हथियार फैक्टरी को ध्वस्त कर दिया है। इसफैक्टरी से भारी मात्रा में हथियार, बारूद और निर्माण उपकरण बरामद किया गया है। सुकमा जिले के पुलिस अधीक्षक किरण चौहान ने आज शनिवार को जानकारी दी कि 26 सितंबर को जिला बल सुकमा और 203 कोबरा वाहिनी की संयुक्त पार्टी नक्सल विरोधी अभियान के लिए ग्राम ईरापल्ली और कोईमेंटा के घने जंगल व पहाड़ियों की ओर रवाना हुई थी। ग्राम कोईमेंटा के आसपास जंगल-पहाड़ियों में जवानों ने गहन सर्चिंग शुरू की। जंगल में नक्सलियों की हथियार और विस्फोटक बनाने की फैक्टरी का पता चला। जवानों ने मौके पर नक्सलियों की फैक्टरी को ध्वस्त कर दिया। नक्सलियों की फैक्टरी से एक वर्टिकल मिलिंग मशीन,तीन बेंच वाइस,दो बीजीएल लांचर (बड़ा),12 बीजीएल शेल (खाली), 94 बीजीएल हेड्स,एक हैंड ग्राइंडर मशीन ,छह लकड़ी के राइफल बट,एक भरमार का ट्रिगर मैकेनिज्म,एक भरमार ट्रिगर मैकेनिज्म (पिस्टल ग्रिप सहित) ,चार सोलर बैटरी ,एक बोरवेल ड्रिलिंग बिट (10 फीट) ,दो गैस कटर हेड्स व तीन डायरेक्शनल आईईडी पाइप्स बरामद किया गया है। इसके अतिरिक्त छह मेटल मोल्डिंग पॉट्स,दो स्टील वाटर पॉट्स,एक एल्युमिनियम पॉट ,छह आयरन कटर व्हील्स ,एक टैपिंग रॉड ,एक आयरन स्टैंड,80 स्टील पाइप पीस (बीजीएल हेतु) तथा बड़ी मात्रा में आयरन स्क्रैप्स भी मिला है।

कोरबा कलेक्टर के खिलाफ मुहिम : सीएम हाउस के सामने 4 अक्टूबर को धरने का ऐलान किया पूर्व गृह मंत्री ननकी राम कंवर ने

रायपुर, 27 सितंबर (ए)। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व गृहमंत्री ननकी राम कंवर नेपिछले दिनों कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत के खिलाफ मुख्यमंत्री से शिकायत करते हुए उन्हें हटाने की मांग की थी। साथ ही उन्होंने यह भी ऐलान किया था कि कलेक्टर को नहीं हटाने पर वे अपने समर्थकों के साथ धरना प्रदर्शन करेंगे। अपनी घोषणा के मुताबिक कंवर ने राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के बंगले के सामने 4 अक्टूबर को धरना देने का ऐलान किया है। इसके लिए उन्होंने रायपुर के कलेक्टर डॉ गौरव सिंह को पत्र लिखकर सूचना प्रेषित की है। क्या लिखा है कलेक्टर को भेजे पत्र में..? पूर्व गृह मंत्री ने कलेक्टर,रायपुर को भेजे पत्र में लिखा है कि कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत के खिलाफ मेरे द्वारा दिए गए अल्टीमेटम शिकायत पर शासन प्रशासन की तरफ से समय सीमा में कोई संज्ञान नहीं लिए जाने से क्षुब्ध होकर मैं मुख्यमंत्री आवास सिविल लाइन रायपुर के सामने धरने पर बैठूंगा।

पूर्व गृह मंत्री ने लिखा है कि मुख्यमंत्री को 21 और 22 सितंबर को शिकायत पत्र देते हुए सरकार से मांग किया था कि कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत को तीन दिन के भीतर कोरबा से हटाया नहीं जाता तो मैं धरने पर बैठने के लिए बाध्य रहूंगा। मेरी शिकायत पर हमारी भाजपा की प्रदेश सरकार में संज्ञान नहीं लिया जाना स्पष्ट प्रमाण है कि मुख्यमंत्री को अधिकारी कब्जे में करके गुमराह करके रखे हुए हैं। जब मेरे जैसे वरिष्ठ नेता की शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं होती है तो अन्य जनप्रतिनिधियों की शिकायत को किस तरह संज्ञान में लिया जाता होगा, समझा जा सकता है। कोरबा कलेक्टर के भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने में सरकार में बैठे बड़े अधिकारियों का योगदान होना लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है।

जांच संबंधी कोई जानकारी नहीं दी गई...

ननकी राम कंवर का कहना है कि मुख्यमंत्री के बयान जरूर आ रहे हैं कि जांच करवाई जाएगी लेकिन जांच किसे दी गई है, कोई समिति बनाई गई है इसकी कोई जानकारी मुझे नहीं दी गई है। कंवर ने लिखा है कि कोरबा जिले में अब तक किया गया भ्रष्टाचार/ कोरबा के वर्तमान कलेक्टर के द्वारा किया गया भ्रष्टाचार/ सीजीएमएससी के द्वारा दवाई खरीदी और उपकरण खरीदी में सैकड़ो करोड़ों रुपए के किया गया भ्रष्टाचार, जिसमें संदिग्ध रूप से जो नाम सामने आए हैं आईएएस अधिकारियों के, उन पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)